CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 309 ता. 14 जून 2022, मंगलवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

कार्तिकेय शर्मा को भाजपा ने क्यों भेजा राज्यसभा, हरियाणा में अपने ही सांसद से निपटने की तैयारी

खुद खट्टर लिख रहे पटकथा

नई दिल्ली। हरियाणा के राज्यसभा चुनाव में भाजपा ने निर्दलीय उम्मीदवार कार्तिकेय शर्मा को समर्थन किया था और उन्हें जीत भी दिलाई। कार्तिकेय शर्मा मीडिया कारोबारी हैं और पूर्व केंद्रीय मंत्री विनोद शर्मा के बेटे हैं, जो एक दौर में कांग्रेस के दिग्गज नेता था। ऐसे में सवाल यह है कि कार्तिकेय शर्मा का भाजपा ने क्यों समर्थन किया और उनसे उसे क्या उम्मीदें हैं। भाजपा के सूत्रों का कहना है कि सीएम मनोहर लाल खट्टर और विनोद शर्मा के बीच बीते कुछ दिनों में रिश्ते मजबूत हुए हैं। यही नहीं खट्टर ने ही कार्तिकेय शर्मा के लिए वोट जुटाने का प्रयास किया और अब उनकी जीत शर्मा परिवार और भाजपा के बीच नए रिश्तों की शुरुआत हो सकती है।

विनोद शर्मा की पत्नी हैं अम्बाला की मेयर

विनोद शर्मा ने कुछ साल पहले एक अलग राजनीतिक दल हरियाणा जन चेतना पार्टी का गठन किया था। उनकी पत्नी शक्ति रानी शर्मा फिलहाल अम्बाला नगर निगम की मेयर हैं। इससे शर्मा फैमिली के रसूख को समझा जा सकता है। विनोद शर्मा और भाजपा के रिश्तों की शुरुआत 2014 से होती है, जब शर्मा ने कांग्रेस पार्टी छोड़ी थी। वह तब कुलदीप बिश्नोई की पार्टी हरियाणा जनहित कांग्रेस में शामिल होने की तैयारी में थे, लेकिन पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने तब उनका विरोध किया था। तब कुलदीप बिश्नोई की पार्टी एनडीए के साथ ही थी। दरअसल विनोद शर्मा के दूसरे बेटे मनु शर्मा जेसिका लाल हत्याकांड के आरोपी थी और इसके चलते भाजपा असहज थी।

अरविंद शर्मा से परेशान हैं खट्टर और भाजपा

हालांकि अब स्थितियां बदल गई हैं। भाजपा को हरियाणा में एक विश्वसनीय ब्राह्मण नेता की तलाश है क्योंकि रोहतक के सांसद अरविंद शर्मा ने मनोहर लाल खट्टर के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। पिछले दिनों रोहतक के एक गांव में ब्राह्मणों के प्रदर्शन का नेतृत्व भी अरविंद शर्मा ने किया था। इस दौरान उन्होंने भाजपा सरकार पर ही हमला बोला था। ऐसे में भाजपा उनकी काट और ब्राह्मण नेतृत्व दोनों की तलाश में है। माना जा रहा है कि उनकी काट के लिए ही कार्तिकेय शर्मा को पार्टी ने राज्यसभा भेजने का काम किया है। विनोद शर्मा का हरियाणा की गैर-जाट बिरादरियों खासतौर पर ब्राह्मणों में अच्छी पकड़ मानी जाती है।

तो क्या भाजपा में होगी विनोद शर्मा की एंट्री?

ऐसी स्थिति में भाजपा उनके बेटे कार्तिकेय शर्मा में संभावनाएं देख रही है। अरविंद शर्मा पार्टी को अकसर असहज करते रहे हैं। उन्होंने कई बार खुले तौर पर सीएम मनोहर लाल खट्टर की आलोचना की है। हालांकि अभी विनोद शर्मा की एंट्री को लेकर कोई फैसला नहीं हुआ है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि ठोस प्रस्ताव के साथ ही इस पर फैसला लिया जाएगा।

यही नहीं खट्टर ने ही कार्तिकेय शर्मा के लिए वोट जुटाने का प्रयास किया और अब उनकी जीत शर्मा परिवार और भाजपा के बीच नए रिश्तों की शुरुआत हो सकती है।

कारगिल में हो रही बौद्ध यात्रा का विरोध कर रहे हैं मुस्लिम संगठन, क्यों बताया तनाव की वजह

कारगिल। इन दिनों लद्दाख स्थित कारगिल जिला मुख्यालय में एक बौद्ध यात्रा चर्चा में बनी हुई है। इसका कारण यह है कि धर्मगुरु चोस्कयोंग पालगा रिनपोछे अपने अनुयायियों के साथ यह यात्रा कर रहे हैं और उनका लक्ष्य कारगिल में एक विवादास्पद स्थल पर एक मठ का पत्थर रखना है। इस पर कुछ मुस्लिम समुदाय के सदस्यों ने आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि इससे माहौल खराब हो सकता है। दरअसल, कारगिल जिला मुख्यालय में बौद्ध मठ तक इस शांति यात्रा को लेकर तनाव जैसे हालात बन रहे हैं। दैनिक ट्रिब्यून की एक रिपोर्ट के मुताबिक कारगिल लोकतांत्रिक गठबंधन के बैनर तले कई इस्लामी संगठनों ने शांति यात्रा निकाले जाने को कानून व्यवस्था के लिए खतरा बताया है। इस्लामी संगठनों ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर चेताया है कि पद यात्रा सियासी मंशा से निकाली जा रही है, जिससे हालात खराब हो सकते हैं। उधर लेह से निकली शांति यात्रा कारगिल के नजदीक मुलबेख मुख्यालय पहुंच गई है। कारगिल पहुंचने तक इसमें बौद्ध समुदाय से करीब एक हजार लोग शामिल होंगे। यह यात्रा 31 मई को शुरू हुई और यह 14 जून को मुस्लिम बहुल कारगिल में खत्म होगी। रिपोर्ट के मुताबिक सामाजिक और धार्मिक संगठनों के संगठन कारगिल डेमोक्रेटिक एलायंस ने उपायुक्त को एक पत्र लिखकर कहा कि यह मार्च राजनीति से प्रेरित था और लद्दाख में सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ सकता है। हालांकि दूसरी तरफ शनिवार को लद्दाख बुद्धिस्ट एसोसिएशन की कारगिल शाखा के पदाधिकारियों ने शांति पद यात्रा पर चर्चा करने के बाद सर्वसम्मति से पद यात्रा को बिना शर्त समर्थन करने का फैसला लिया। एलबीए यूथ विंग, महिला इकाई, गोबा और कारगिल शाखा के तहत सभी गांवों के प्रतिनिधियों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए एसोसिएशन के कारगिल अध्यक्ष स्कर्मा दादुल समेत अन्य पदाधिकारियों ने कहा कि समूचा बौद्ध समुदाय आठवें चोसक्योंग पलगा रिंपोछे के नेतृत्व वाली शांति पद यात्रा का समर्थन करता है।

आखिर पकड़ा गया शूटर संतोष जाधव, कई दिनों से तलाश में थी पुणे पुलिस

नई दिल्ली। पुणे पुलिस ने पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के मामले में आरोपी शूटर संतोष जाधव को हिरासत में ले लिया है। एक अधिकारी ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पुणे देहात पुलिस ने जाधव के एक साथी को भी पकड़ा है जो मूसेवाला हत्याकांड में संदिग्ध है। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) कुलवंत कुमार सारंगल आज दिन में इस बारे में मीडियाकर्मियों को विस्तृत जानकारी दे सकते हैं। अधिकारी ने बताया कि लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के सदस्य जाधव को 2021 में पुणे जिले के मंचर थाने में दर्ज हत्या के एक मामले में पकड़ा गया है। उन्होंने बताया कि मामले में वह एक साल से फरार था और उसका तथा उसके एक साथी नागनाथ सूर्यवंशी का नाम मूसेवाला हत्याकांड में सामने आया है। पुणे देहात पुलिस ने तलाश अभियान के दौरान 2021 हत्याकांड के बाद जाधव को पनाह देने के आरोप में सिद्धेश कांबले उर्फ महाकाल को पिछले सप्ताह गिरफ्तार किया था। मुंबई पुलिस ने पटकथा लेखक सलीम खान और उनके अभिनता बेटे सलमान खान को धमकी भरा पत्र भेजने के संबंध में भी महाकाल से पूछताछ की थी। अधिकारी ने बताया कि पुणे पुलिस ने जाधव का पता लगाने के लिए पिछले सप्ताह कई दलों को गुजरात और राजस्थान भेजा था।

अधिकारी ने बताया कि लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के सदस्य जाधव को 2021 में पुणे जिले के मंचर थाने में दर्ज हत्या के एक मामले में पकड़ा गया है। उन्होंने बताया कि मामले में वह एक साल से फरार था और उसका तथा उसके एक साथी नागनाथ सूर्यवंशी का नाम मूसेवाला हत्याकांड में सामने आया है।

बोरवेल में गिरे मासूम को निकालने 60 घंटे से रेस्क्यू जारी, रोबोट से निकालने की योजना फेल

पत्थरों को काटकर सुरंग बनाया जा रहा

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में बोरवेल के गड्ढे में गिरे मासूम को निकालने 60 घंटे से रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। मासूम 80 फीट की गहराई वाले गड्ढे में गिरा है। लगभग 60 फीट तक खुदाई हो चुकी है। बच्चे को निकालने सेना, हृष्ठक्रञ्ज और स्ष्ठक्रञ्ज की टीम लगी हुई है। सूरत के महेश अहीर ने अपनी रोबोटिक्स टीम के साथ राहुल को निकालने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। रेस्क्यू टीम सुरंग की खुदाई कर रहा है। पत्थर की वजह से बड़ी मशीन सुरंग तक नहीं पहुंच रही। छेटी ड्रील मशीन से खुदाई हो रही है। अभी लगभग 10 फीट और सुरंग बनाना है। बच्ची की हलचल ने उम्मीद बांध रखी है। रेस्क्यू ऑपरेशन में अभी कुछ घंटे और लगने की बातें कही जा रही है। मौके पर कलेक्टर, एसपी सहित पूरा प्रशासनिक अमला मौजूद है। बता दें कि मुताबिक जांजगीर-चांपा जिले के मालखरौदा के पिहरीद गांव में 11 साल का राहुल साहू शुक्रवार को खेलते-खेलते घर के पीछे की तरफ चला गया। राहुल के पिता रामकुमार उर्फ लाला साहू ने घर की बाड़ी में बोर खुदवाया था। वह बोर फेल हो गया था। बोर को खुला छोड़ दिया गया है। खनन स्थान को मिट्टी से भरा भी नहीं गया है। शुक्रवार की दोपहर बोरवेल के गड्ढे में राहुल गिर गया। परिजन जब बाड़ी की तरफ गए तो बच्चे की रोने की आवाज आई, जिसे सुनकर परिजनों को घटना की जानकारी हुई। घटना की जानकारी मिलते ही कलेक्टर जितेंद्र कुमार शुक्ला, एसपी विजय अग्रवाल, एसडीएम रेना जमील, एडिशनल एसपी अनिल सोनी, तहसीलदार सहित जिला व पुलिस प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची है।

परिजनों से सीएम भूपेश बघेल ने की बात

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर कटक, गुजरात, आंध्र प्रदेश की रेस्क्यू टीम को बुलाया गया है। गुजरात की रोबोटिक्स टीम द्वारा रविवार को बच्चे को निकालने का प्रयास किया गया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद खुदाई काम फिर शुरू किया गया। सीएम ने भेंट-मुलाकात में जशपुर जाने से पहले अपने निवास कार्यालय से राहुल के परिजनों के माता-पिता से बात की थी। दूसरे दिन उसी दादी से वीडियो कॉल पर बात की और कहा कि आप बिलकुल चिंता न करें हम पूरा प्रयास कर रहे हैं कि राहुल का शीघ्र रेस्क्यू हो जाए और वह जल्द ही हम लोगों के बीच सकुशल आए। सीएम भूपेश बघेल लगातार जिला प्रशासन के संपर्क में हैं। वे लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन की जानकारी ले रहे हैं।

जम्मू का शेख नगर अब 'शिवनगर' और अम्फल्ला चौक कहलाएगा 'हनुमान चौक'

...बदले गए शहर की दो जगहों के नाम

नई दिल्ली। नगर निगम की ओर से शहर के दो स्थानों के नाम बदले जाने का प्रस्ताव पास किया गया है। शेख नगर का नाम अब शिवनगर और अम्फल्ला चौक का नाम हनुमान चौक रखने का प्रस्ताव जेएमसी की ओर से पास किया गया है। JMC के मेयर चंद्र मोहन गुप्ता ने प्रस्ताव पास किए जाने की जानकारी दी। चंद्र मोहन ने बताया कि JMC ने शेख नगर का नाम बदलकर शिवनगर और अम्फल्ला चौक का नाम हनुमान चौक करने का प्रस्ताव पारित किया है। इससे पहले पिछले साल जम्मू में राजकीय महिला पीजी कॉलेज गांधीनगर का नाम डोगरी भाषा की पहली आधुनिक कवयित्री पद्मश्री पद्मा सचदेव के नाम पर कर दिया गया था। चंद्र मोहन गुप्ता ने नाम का उद्घाटन किया था। पद्मा सचदेव को कवयित्री के साथ-साथ एक लेखिका के तौर पर भी जाना जाता है। वे डोगरी के अलावा हिंदी में भी लिखती थीं। उन्हें 1971 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से नवाजा गया था। पिछले साल अगस्त में पद्मा सचदेव का निधन हो गया था।

श्रद्धा कपूर के भाई सिद्धांत कपूर पर ड्रग्स लेने का आरोप, पार्टी में रेड के बाद पुलिस ने हिरासत में लिया

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर के भाई सिद्धांत कपूर को ड्रग्स मामले में हिरासत में लिया गया है। ड्रग्स मामले में बॉलीवुड के कई दिग्गजों का नाम पहले भी सामने आता रहा है और अब श्रद्धा कपूर के भाई सिद्धांत कपूर को बेंगलुरू में पुलिस ने डिटेन किया है। रिपोर्ट के मुताबिक श्रद्धा कपूर के भाई समेत कई लोग बेंगलुरु के एमजी रोड स्थित होटल में पार्टी कर रहे थे।

पुलिस ने पार्टी में छापा मारकर गिया गिरफ्तार

पुलिस ने इसी पार्टी में छापा मारकर श्रद्धा कपूर के भाई समेत कई लोगों को हिरासत में लिया। रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने कुल 35 लोगों के सैंपल भेजे थे जिनमें से 6 लोग ड्रग्स टेस्ट में पॉजिटिव आए हैं। जानकारी के मुताबिक अभी ये साफ नहीं है कि ये लोग ड्रग्स लेकर पार्टी में पहुंचे थे या फिर इन्होंने होटल में आकर ड्रग्स ली।

बॉलीवुड के फ्लॉप हीरो हैं सिद्धांत

जहां तक सिद्धांत कपूर की बात है तो वह भी फिल्मों में अपनी किस्मत आजमा चुके हैं लेकिन कभी कामयाब नहीं हुए। बॉलीवुड फिल्मों में सिद्धांत एक फ्लॉप हीरो ही बनकर रह गए। शक्ति कपूर के बेटे सिद्धांत कुछ वेब सीरीज और म्यूजिक वीडियोज में भी नजर आ चुके हैं। सिद्धांत ने अपनी बहन हसीना पार्कर में श्रद्धा कपूर के साथ काम किया था लेकिन ये फिल्म भी बुरी तरह पिटी थी।

सुशांत की मौत के बाद खुला ड्रग नेक्सस

बता दें कि इससे पहले तमाम बॉलीवुड सेलेब्रिटीज के नाम ड्रग्स केस को लेकर सामने आते रहे हैं। सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद बॉलीवुड का ड्रग नेक्सस पहली बार धीरे-धीरे खुलना शुरू हुआ। NCB ने बॉलीवुड के कई दिग्गजों से पूछताछ की और आर्यन खान समेत कई को गिरफ्तार भी किया।

बता दें कि इससे पहले तमाम बॉलीवुड सेलेब्रिटीज के नाम ड्रग्स केस को लेकर सामने आते रहे हैं। सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद बॉलीवुड का ड्रग नेक्सस पहली बार धीरे-धीरे खुलना शुरू हुआ। NCB ने बॉलीवुड के कई दिग्गजों से पूछताछ की और आर्यन खान समेत कई को गिरफ्तार भी किया।

यूपी-दिल्ली-एनसीआर में भीषण गर्मी और लू की मार से राहत नहीं, गोवा में बारिश को लेकर यलो अलर्ट

नई दिल्ली। केरल से होते हुए मानसून महाराष्ट्र पहुंच चुका है, जिससे इन इलाकों में बारिश हुई है। यहां लोगों को भीषण गर्मी की मार से राहत मिली है। वहीं, उत्तर भारत के कई राज्य ऐसे हैं, जो गर्मी और लू अभी भी झेल रहे हैं। दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों को मानसून का इंतजार है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले दो दिन तक लू के प्रकोप से राहत मिलने वाली नहीं है। बहुत जरूरी होने पर ही लोगों को घर से बाहर निकलने की सलाह दी गई है।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सोमवार को न्यूनतम तापमान 30 डिग्री और अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। वहीं, गाजियाबाद में आज न्यूनतम तापमान 29 डिग्री और अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है। यूपी के लोग अभी भी भीषण गर्मी का सामना कर रहे हैं। यहां मानसून के दस्तक देने का इंतजार है।

गोवा में बारिश को लेकर यलो अलर्ट

गोवा के कई इलाकों में रविवार को बारिश हुई। मौसम विभाग का अनुमान है कि यहां बारिश का सिलसिला आज भी जारी रहेगा। राज्य के कई हिस्सों में सोमवार को भारी बारिश भी हो सकती है। आईएमडी ने इन क्षेत्रों को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, गोवा में आज 64.4 एमएम से लेकर 115.5 एमएम तक बारिश हो सकती है। शनिवार को यहां 116.2 एमएम बारिश हुई थी।

दिल्ली में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक को छोड़कर बाकी सभी मौसम केंद्रों में रविवार को अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया, जबकि पूरे उत्तर पश्चिम भारत में गर्म और शुष्क पछुआ हवाएं चलीं। दिल्ली के बेस स्टेशन सफदरजंग वेधशाला में अधिकतम तापमान सामान्य से चार डिग्री ज्यादा 43.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। आईएमडी ने सोमवार को दिल्ली के कुछ हिस्सों में लू की चेतावनी देते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विशेषज्ञों ने कहा है कि 15-16 जून से भीषण गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है।

राजस्थान के कई जिलों में बारिश से तापमान में गिरावट–राजस्थान के उदयपुर, कोटा संभाग के जिलों व पाली जिले में बारिश होने से दिन में तापमान में गिरावट दर्ज की गई, वहीं अन्य जिलों में गर्मी का प्रकोप जारी है। मौसम विभाग के प्रवक्ता के अनुसार धौलपुर में रविवार को अधिकतम तापमान 45.9 डिग्री सेल्सियस, करौली में 45.2 डिग्री, अलवर में 45 डिग्री, श्रीगंगानगर में 44.8 डिग्री, चूरू में 44.5 डिग्री, हनुमानगढ के संगरिया में 44.2 डिग्री और बीकानेर में 43.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बांसवाडा व उदयपुर जिलों में एक दो स्थानों पर बारिश हुई। बांसवाडा के सलूंबर में 115 मिलीमीटर, उदयपुर में 111 मिलीमीटर, उदयपुर के सेवारी में 69 मिलीमीटर, उदयपुर के लोहारिया में 40 मिलीमीटर और पाली के मारवाड जंक्शन में 19 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

पीएम मोदी 17 जून से दो दिवसीय गुजरात दौरे पर, रेलवे के कई प्रोजेक्ट का करेंगे लोकार्पण

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दक्षिण गुजरात के बाद अब मिशन मध्य गुजरात पर आ रहे हैं। आगामी 1। और 18 जून को पीएम मोदी गुजरात में रहेंगे और इस दौरे के दौरान वे रेलवे विभाग के विभिन्न प्रोजेक्ट के तहत 16369 करोड़ रुपए के परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। गुजरात यात्रा के दौरान पीएम मोदी पावागढ़ में महाकाली माता जी के दर्शन भी करेंगे। भाजपा ने गुजरात का गढ़ फिर एक बार फतह करने की रणनीति बना ली है और इसे सफल बनाने के लिए राष्ट्रीय नेताओं की गुजरात में आवागमन तेज हो गया है। उत्तर प्रदेश समेत पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के गुजरात दौरे बढ़ गए हैं। 10 जून को पीएम मोदी एक दिवसीय गुजरात दौरे पर आए थे। केन्द्रीय मंत्री अमित शाह तीन दिवसीय दौरा पूरा कर गुजरात से लौटे हैं। अब प्रधानमंत्री आगामी 17 जून को गुजरात आ रहे हैं। गुजरात विधानसभा चुनाव तक पीएम मोदी हर महीने गुजरात आएंगे। आगामी 17 जून को पीएम मोदी गुजरात आ रहे हैं और रात्रि विश्राम गांधीनगर के राजभवन में करेंगे। 18 जून की सुबह पीएम मोदी पंचमहल जिले के हालोल स्थित पावागढ़ जाएंगे, जहां महाकाली माता जी के दर्शन करेंगे। जिसके पश्चात 11.30 बजे पीएम मोदी पावागढ़ के निकट विरासत वन जाएंगे। विरासत वन से पीएम मोदी वडोदरा रवाना होंगे और वडोदरा के लेप्रसी ग्राउंड में दोपहर 12.30 बजे गुजरात गौरव अभियान को संबोधित करेंगे। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के 890। आवासों का लोकार्पण भी करेंगे। वडोदरा में गतिशक्ति भवन का लोकार्पण करेंगे। इसके अलावा रेलवे विभाग के विभिन्न प्रोजेक्ट के तहत 16369 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का भी लोकार्पण करेंगे। उसी दिन पीएम मोदी अहमदाबाद-बोटाद के लोगों को विकास के भेंट देंगे। पीएम मोदी 18 जून को अहमदाबाद-बोटाद के बीच ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना कराएंगे। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री हाल ही में 10 जून को दक्षिण गुजरात आए थे। दक्षिण गुजरात के नवसारी जिले के खुडवेल में आयोजित गुजरात गौरव अभियान के दौरान 3050 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया था। साथ ही नवसारी में निराली मल्टी स्पेशयालिटी होस्पिटल का भी लोकार्पण किया था। उसी दिन पीएम मोदी ने अहमदाबाद में इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एन्ड ऑथोराइजेशन सेंटर (इन-स्पेस) मुख्यालय का उदघाटन किया था। 10 जून से पहले पीएम मोदी ने राजकोट के आटकोट में 40 करोड़ रुपए की लागत से बने केडी परवाडिया मल्टी स्पेशयालिटी होस्पिटल का लोकार्पण किया था और उसके बाद में राजकोट में एक जनसभा को भी संबोधित किया था।

पीएमवायजे से कंधे में लगी चोट का सबसे अच्छा उपचार करवा पाया हूं :जगदीश परमार

अहमदाबाद । वडोदरा ज़िले में 'प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' के लाभार्थी इस योजना तथा पीएम मोदी के गुणगान करते नहीं थक रहे हैं। भारत सरकार ने 'प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' लागू की है, जिसमें गुजरात सरकार भी सहभागी बनी हुई है। वडोदरा ज़िले के इस योजना के लाभार्थी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भारत सरकार और गुजरात सरकार का दिल की गहराईयों से आभार मानते हुए नहीं थक रहे हैं, क्योंकि जब उनके जीवन में स्वास्थ्य संकट अर्थात् मेडिकल इमरजेंसी पैदा हुई तब इस योजना के चलते उन्हें महँगा इलाज मुफ्त में मिला। इस योजना के कार्ड के चलते उन्हें महँगा उपचार मुफ्त में मिला है। इससे उन्हें तलवार का घाव सुई से मिट जाने जैसा महसूस हो रहा है।

पादरा तहसील के मासर रोड निवासी जगदीश लालजीभाई परमार को मोटर साइकिल से गिरने के कारण कंधे में गंभीर चोट लगी थी। इस वर्ष 19 मार्च को घटना बनी थी। 47 वर्षीय जगदीशभाई सिक्योरिटी गार्ड के रूप में नौकरी करते है, उपचार के लिए जितने अस्पताल में गए, उन सभी ने ऑपरेशन के लिए भारी खर्च बताया। हालांकि इस असमंजस की घड़ी में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना कार्ड उनके काम आया। इस कार्ड की वजह से उनके कंधे की चोट का मुफ्त इलाज संभव हो पाया। उनका कहना है कि मोदी साहब की इस योजना से स्वास्थ्य संकट की घड़ी में आम आदमी को अच्छा इलाज मिल जाता है। मैं उनका बहुत आभारी हूं। वाघोडिया निवासी दक्षाबहन रामचंद्र वसावा को पेट में असहनीय दर्द होता था। इसके उपचार के लिए हिस्टेरेक्टॉमी का ऑपरेशन कराना आवश्यक था और उसके लिए 40 हज़ार रुपए का अनुमानित खर्च बताया गया था। सामान्य श्रमजीवी परिवार के लिए इतनी बड़ी रकम की व्यवस्था करना असंभव था। इस संकट में आशा वर्कर बहन उनकी मदद के लिए आगे आई। दक्षाबहन के पास पुराना कार्ड था लेकिन उसकी समयावधि समाप्त हो चुकी थी। इस समस्या के समाधान के रूप में जमनाबाई अस्पताल से उनका नया कार्ड बन गया। उनका ऑपरेशन हुआ और इस समय वह स्वस्थ जीवन जी रही है। यह पीएमवायजे के कारण संभव हो पाया। यह बात यहीं पर समाप्त नहीं होती है। इस कार्ड के चलते उनकी माता की हृदय रोग की और भाई के किडनी का महँगा इलाज मुफ्त में संभव हो पाया है। इस प्रकार यह कार्ड उनके परिवार के अन्य सदस्यों के लिए भी आशीर्वाद समान साबित हुआ है।

8 साल की मासूम बच्ची से दुष्कर्म, पीड़िता की घटनास्थल पर ही हुई मौत

गिर सोमनाथ। जिले के जांत्राखडी गांव में एक दिल दहलानेवाली घटना सामने आई है, जिसमें मासूम बच्ची के मुंह कपड़ा ठूंस कर दो संतानों के पिता ने दुष्कर्म किया। इस घटना में मासूम बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। अपना पाप छिपाने के लिए आरोपी ने बच्ची को एक बोरी में डालकर निर्जन स्थल पर फैंक दी। घटना के बाद हरकत में आई पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए मृतका के शव को पैनल पोस्टमार्टम के लिए जामनगर भेजा गया है। जानकारी के मुताबिक गिर सोमनाथ जिले की कोडीनार तहसील के जांत्राखडी गांव निवासी परिवार का मुखिया बाहर रहता है और मजदूरी करता है। परिवार की 8 वर्षीय बच्ची की माता किसी काम से बाहर गई थी, तब पड़ौसी ने उसे दुकान भेजा था। बच्ची जब दुकान की ओर जा रही थी, तब शामजी भीमा सोलंकी नामक शख्स ने उससे बीड़ी-मासिच मंगवाई थी। दुकान से बीड़ी-माचिस लेकर बच्ची जब शामजी के घर पहुंची तब वह अकेला था। 8 साल की मासूम बच्ची को देख शामजी हैवान बन गया और उसे घर के भीतर खींच ले गया। जहां उसके मुंह में कपड़ा ठूंस दिया और दुष्कर्म किया। इस घटना में मासूम बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। अपने पाप को छिपाने के लिए शामजी सोलंकी ने बच्ची के शव को एक बोरी में डाला और निर्जन स्थान पर फैंक दिया। जिसके बाद अपने घर में निश्चिंत होकर सो गया। दूसरी ओर बच्ची की माता जब घर लौटी तो बेटी को घर में नहीं देख आसपास के लोगों से पूछताछ की। एक पडौसी से बताया कि उसने बच्ची को दुकान भेजा था, जहां से वह अब तक नहीं लौटी। जिसके बाद माता समेत आसपास के लोगों ने बच्ची की खोजबीन शुरू कर दी। कुछ ही देर में बच्ची का शव निर्जन स्थान से बरामद हुआ। घटना की खबर मिलते ही कोडीनार पुलिस मौके पर पहुंच गई और आरोपी शामजी सोलंकी को गिरफ्तार कर लिया। पंचनामा कर बच्ची के शव को पैनल पोस्टमार्टम के लिए जामनगर भेज दिया। पुलिस ने आरोपी शामजी सोलंकी के घर को भी सील कर दिया है, ताकि सबूतों के साथ कोई छेड़छाड़ ना हो। प्राथमिक जांच में पता चला कि आरोपी शामजी सोलंकी पेशे से मछुआरा है। दो संतानों का पिता शामजी शराब पीकर घर ने आए दिन झगड़ा करता रहता था। जिससे परेशान होकर उसकी पत्नी काफी समय से अपने मायके में रह रही है।

रेल मंत्री ने भारतीय रेल इनोवेशन नीति – "रेलवे के लिए स्टार्टअप" का शुभारंभ किया

अहमदाबाद । भारतीय रेल ने स्टार्ट-अप और अन्य संस्थाओं की भागीदारी के जरिए इनोवेशन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल की है। माननीय रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेल भवन, नई दिल्ली में "रेलवे के लिए स्टार्टअप" की शुरुआत की। यह नीति बहुत बड़े और अप्रयुक्त स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र की भागीदारी के माध्यम से परिचालन, अनुरक्षण और इंफ्रास्ट्रक्च र के निर्माण के क्षेत्र में पैमाने में और दक्षता में वृद्धि करेगी। इस कार्यक्रम में बोलते हुए, अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारतीय रेलवे में प्रौद्योगिकी के एकीकरण पर लंबे समय से चल रही चर्चा ने आज शुरू की गई इस पहल के रूप में आज ठोस रूप ले लिया है। इस पहल के शुरू होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए माननीय मंत्री ने कहा कि इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से स्टार्ट अप को रेलवे से जुड़ने का अच्छा अवसर मिलेगा। इस कार्यक्रम के चरण 1 के लिए रेलवे के विभिन्न मंडलों, क्षेत्रीय कार्यालयों/जोनों से प्राप्त 100 से अधिक समस्या विवरणों में से 11 समस्या विवरण जैसे रेल फ्रैक्चर, हेडवे में कमी आदि को लिया गया है। इन्हें इनोवेटिव समाधान खोजने के लिए स्टार्ट अप के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। रेल मंत्री ने स्टार्टअप को इस अवसर का उपयोग करने का अनुरोध किया और उन्हें 50 प्रतिशत पूंजी अनुदान, सुनिश्चित बाजार, पैमाने और पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में भारतीय रेलवे से समर्थन सुनिश्चित करने की बात कही। भारतीय रेलवे इनोवेशन नीति का मुख्य विवरण इस प्रकार है:-

- उपलब्धि-वार भुगतान के प्रावधान के साथ समान साझेदारी के आधार पर इनोवेटर को 1.5 करोड़ रुपए तक अनुदान।
- समस्या विवरण के फ्लोटिंग से लेकर प्रोटोटाइप के विकास तक की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और उद्देश्यपरक बनाने के लिए निर्धारित समय-सीमा के साथ ऑनलाइन है।
- रेलवे में प्रोटोटाइप का ट्रायल किया जाएगा। प्रोटोटाइप के सफल निष्पाकदन पर डिप्लॉउयमेंट को बढ़ाने के लिए बढ़ी हुई धनराशि प्रदान की जाएगी।
- इनोवेटर/इनोवेटरों का चयन एक पारदर्शी और निष्पक्ष प्रणाली द्वारा किया जाएगा, जो ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा जिसका उद्घाटन माननीय रेल मंत्री द्वारा किया गया है।
- डेवलप्डज इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टी राइट (आईपीआर) इनोवेटर के पास ही रहेंगे।
- इनोवेटर को एश्योडर्ड डेवलपमेंट ऑर्डर।
- विलम्ब से बचने के लिए मंडल स्तर पर संपूर्ण उत्पाद विकास प्रक्रिया का विकेंद्रीकरण।

मई माह में क्षेत्र इकाइयों को समस्या क्षेत्र उपलब्ध कराने के लिए कहा गया था। इसके प्रत्युत्तर में अब तक लगभग 160 समस्या विवरण प्राप्त हो चुके हैं। प्रारंभ में, नई इनोवेशन नीति के माध्यम से निपटने के लिए 11 समस्याओं के विवरण की पहचान की गई है और उन्हें पोर्टल पर अपलोड किया गया है।

राहुल गांधी की ईडी के समक्ष पेशी के विरोध में गुजरात कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

अहमदाबाद।

नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए। राहुल गांधी से ईडी से पूछताछ के विरोध में गुजरात समेत देशभर में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। गुजरात कांग्रेस विरोध के लिए अहमदाबाद के जीएमडीसी एकत्र हुए, जहां से ईडी ऑफीस की ओर कूच करना था। लेकिन मंजूरी नहीं मिलने पर कांग्रेस कार्यकर्ता वहीं धरने पर बैठ गए। गुजरात कांग्रेस प्रमुख जगदीश ठाकोर, विपक्ष के नेता सुखराम राठवा, पूर्व प्रमुख अमित चावडा और पूर्व विपक्ष के नेता परेश धानाणी ने समेत ईडी का कार्यवाही विरोध किया। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने अमित चावड़ा समेत कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। हिरासत में लिए गए अमित चावड़ा ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि उन्हें समझ लेना चाहिए कि कोई भी सरकार स्थायी नहीं है। भविष्य में जब भी कांग्रेस की सरकार आएगी ऐसे अधिकारियों को ध्यान रखेंगे। भाजपा के राजनीतिक हथकंडों को सफल बनाने के लिए अधिकारी उसकी कठपुतली बनकर कांग्रेस नेता और कार्यकर्ताओं को परेशान करना बंद करे। उन्होंने कहा कि विधायकों पर फर्जी मुकद्मे दर्ज किए जाते हैं। यहां बैठा एक भी विधायक किसी के दबाव में आनेवाला नहीं है। अंग्रेजों के खिलाफ कांग्रेस के किसी भी सत्याग्रीह ने पीठ पर गोली नहीं खाई, बल्कि फांसी के फंदे को चूमकर फांसी से लटक जाते थे।

कालापानी की सजा भी काटी है। जबकि दूसरा पक्ष अंग्रेजों को कांग्रेसियों की पिटाई करने की सिफारिश करता था। आज राहुल गांधी पर हाथ डालकर भाजपा ने बड़ी गलती की है अगर इतिहास देख लिया होता तो भाजपा को इसका अहसास हो जाता। अमित चावडा ने कहा

कि भाजपा अंग्रेजों की तरह फूट डालो और राज करो की नीति अपनाकर राजनीतिक दलों के नेताओं को परेशान कर रही है।

देश के बड़े उद्योगपतियों के यहां कोई जांच नहीं की जाती। लेकिन राजनीतिक दलों के नेताओं के यहां जांच की जाती है। उन्होंने कहा कि देश में किसी की सरकार स्थायी नहीं होती। कांग्रेस के शासनकाल में जनहित के काम होते थे, परंतु भाजपा सरकार में महंगाई और बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है, उसके लिए कोई काम नहीं किया जा रहा। इतना ही नहीं भ्रष्टाचार इतना बढ़ गया है कि लोग परेशान हो गए हैं।

आई-लैंग्वेज लैब - अंग्रेजी संचार सॉफ्ट स्किल सीखने के लिए भारत में पहली बार लॉन्च की गई एक अनूठी अवधारणा

अहमदाबाद। संचार कौशल के साथ-साथ अन्य सॉफ्ट स्किल्स आज की दुनिया में महत्वपूर्ण हैं, लेकिन देश में इनकी काफी हद तक उपेक्षा की जाती है. उनकी अनुपस्थिति को आज की पीढ़ी के लिए एक बड़ी समस्या के रूप में पहचाना गया है। गुजरात जैसे कई राज्यों में, अंग्रेजी में धाराप्रवाह संचार अभी भी कई लोगों के लिए एक चुनौती है, जो उनके उज्ज्वल कैरियर के अवसरों को सीमित करता है। लेकिन, यह सब बदलने को तैयार है।युवाओं को आवश्यक भाषा कौशल से लैस करने की तत्काल आवश्यकता को स्वीकार करते हुए, अहमदाबाद स्थित आई-लैंग्वेज एडटेक पहल, आई-लैंग्वेज एडटेक ने एक आई-लैंग्वेज लैब शुरू की है, जो अंग्रेजी में संचार कौशल में प्रशिक्षण प्रदान करती है। स्कूल और कॉलेज के छात्रों के बीच कौशल अंतर को पाटने के लिए यह देश में इस तरह की पहली प्रौद्योगिकी आधारित पहल है।आई-लैंग्वेज लैब अत्याधुनिक और भविष्य की तकनीक का उपयोग करके अंग्रेजी में संचार कौशल प्रशिक्षण प्रदान करती है और विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अनुकूलित प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करती है। यह प्रशिक्षण छात्रों को कैरियर के लक्ष्यों को जल्दी निर्धारित करने, उनके लिए आवश्यक कौशल विकसित करने और अगले जीवन के लिए खुद को तैयार करने में मदद कर सकता है। छात्र अनुकूलन क्षमता, नेतृत्व, समस्या समाधान, लचीलापन और बहुत कुछ जैसे आवश्यक कौशल भी प्राप्त कर सकते हैं। ये प्रौद्योगिकी-संचालित शैक्षिक समाधान छात्रों को निर्णायक समाधान लेने और उनके लिए रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए तैयार करते हैं, श्रीश्री भावेश उपाध्याय, निदेशक, आई-लैंग्वेज एडटेक ने कहा।I-Language Labs छात्रों के आयु वर्ग के आधार पर अनुकूलित अंग्रेजी में संचार कौशल के लिए मॉड्यूल प्रदान करती है। मॉड्यूल में भारतीय शिक्षा प्रणाली के अनुरूप विशेष पाठ्यक्रम और सहयोगी गतिविधियाँ शामिल हैं जो वास्तविक जीवन की स्थितियों में जुड़ाव की नकल करती हैं और इंटरैक्टिव और गतिविधि-आधारित शिक्षा प्रदान करती हैं।विभिन्न मापदंडों का उपयोग करके शिक्षार्थियों की प्रगति को आसानी से ट्रैक और मूल्यांकन किया जा सकता है।

एयरटेल एक्सस्ट्रीम 2 मिलियन पेड सब्सक्राइबर्स के साथ भारत का सबसे तेजी से बढ़ता ओटीटी एग्रीगेटर ऐप

नई दिल्ली । भारत के प्रमुख कम्युनिकेशन सॉल्यूशन प्रोवाइडर, भारती एयरटेल ("एयरटेल") की वीडियो स्ट्रीमिंग सर्विस - एयरटेल एक्सस्ट्रीम ने 2 मिलियन पेड दर्शकों को जोड़ एक नया मुकाम हासिल किया है। इसके साथ ही एयरटेल एक्सस्ट्रीम अब भारत का सबसे तेजी से बढ़ता ओटीटी एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म बन गया है।

एयरटेल एक्सस्ट्रीम मोबाइल और बड़े स्क्रीन फॉर्मेट में उपभोक्ताओं के लिए भारत के सबसे बड़े ओटीटी प्लेटफॉर्म की पेशकश करता है। मोबाइल ग्राहक 148 रुपये के न्यूनतम रिचार्ज के साथ बुके से एक ओटीटी प्रोवाइडर का चयन कर सकते हैं। इस वर्ष की शुरुआत में एक्सस्ट्रीम प्रीमियम के रूप में लॉन्च किया गया लार्ज स्क्रीन फॉर्मेट भी केवल 149 रुपये में उपलब्ध है और यह दर्शकों के लिए एयरटेल के ओटीटी कंटेंट पार्टनर जैसे सोनी लिव, इरोज नाउ, लायंसगेट प्ले, होइचोई, मनोरमामैक्स, शेमारू, अल्ट्रा, हंगामाप्ले, एपिकॉन, डॉक्यूबे, डिवोटीवी आदि से 10,500 से अधिक मूवी टाइटल्स और शो के साथ लाइव टीवी पेश करता है।

प्लेटफार्म अंतर्दृष्टि

1. उपयोगकर्ता : सम्पूर्ण भारत में 2 मिलियन दर्शकों का विस्तार। महाराष्ट्र, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में पुन: रिचार्ज/सदस्यता के माध्यम से उपयोगकर्ताओं की महत्वपूर्ण रुचि देखी गई।

2. ग्राहक स्थिरता- एयरटेल एक्सस्ट्रीम पर देखने का औसत समय लगभग 150 मिनट है, जो लगातार बढ़ रहा है।

3. सीरीज और फिल्मों के बीच चयन की दुविधा- दर्शकों ने 51त्न समय गुल्क और अनदेखी जैसी सीरीज़ को देखने में बिताया, जिनमें उत्तर भारत के दर्शकों ने अधिक रुचि दिखाई। फिल्मों की श्रेणी 49 प्रतिशत समय के साथ क्षेत्रीय ब्लॉकबस्टर जेम्स जैसी फिल्मों के साथ दूसरे स्थान पर रही।

4. अच्छे कंटेंट के लिए हर जगह दर्शक - एयरटेल एक्सस्ट्रीम देखने के आंकड़े क्षेत्रीय सिनेमा के लिए दर्शकों की बढ़ती रुचि की पुष्टि करते हैं। जेम्स (कन्नड़), मांडू (तमिल), और अदावल्लु मीकू जोहरलु (तेलुगु) जैसी फिल्में बीते माह से प्लेटफार्म के टॉप 5 में ट्रेंड कर रही हैं। आंकड़ों के हिसाब से इन फिल्मों को देखने की मांग पूरे भारत में देखी गई है।

5. सोनी लिव, हंगामा, इरोज नाउ और लायंसगेट प्ले, एयरटेल एक्सस्ट्रीम पर सबसे ज्यादा सर्च किए जाने वाले कंटेंट पार्टनर हैं। सोनी द्वारा पेश किए गये विविधता भरे कंटेंट टॉप 10 ट्रेंडिंग लिस्ट में स्थान बनाये रखते हैं।

इस मुकाम को हासिल करने पर टिप्पणी करते हुए, एयरटेल डिजिटल के सीईओ आदर्श नायर ने कहा: "एयरटेल एक्सस्ट्रीम एक ऐसा आईडिया है, जिसका दौर आ चुका है। यह एक अनूठा प्रोडक्ट है जो भारत और दुनिया भर के बेहतरीन कंटेंट को एक ही ऐप में एक ही सब्सक्रिप्शन के तहत सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी मूल्य पर पेश करता है। हमारा त्वरित विकास अच्छे रीजनल कंटेंट के लिए भारतीय दर्शकों की जरूरतों को पूरा करने की हमारी क्षमता के कारण है। हम अपने मौजूदा भागीदारों के साथ अपनी क्षेत्रीय रणनीति को दोगुना कर देंगे और पॉपुलर रीजनल कंटेंट कैटलॉग के साथ नए भागीदारों को जोड़ना जारी रखेंगे।"

नर्सों के लिए एएमआर परभारत का पहला नि:शुल्क बहुभाषीय ऑनलाइन एजुकेशन प्लेटफॉर्म शुरू

मुंबई । भारत की अग्रणी बहुराष्ट्रीटय फार्मास्यूटिकल कंपनियों में से एक,फाइजर इंडियाऔरएमरिकेयर्स इंडिया फाउंडेशनने नर्सों के लिएएंटी माइक्रोबियल रेजिस्टेंस के बारे मेंआनलाइन शिक्षा प्लेटफार्म - ओपन-एएमआरलॉन्चु करने की घोषणा की है।अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में प्रशिक्षण के लिए ओपन-एएमआर एवं आनलाइन शिक्षा प्लेटफार्म के लॉन्च की आज घोषणा की। स्वास्थ्य पर केंद्रित राहत एवं विकास संगठन एमरिकेयर्स इंडिया फाउंडेशन इस पहल से क्रियान्वयन सहयोगी के रूप में जुड़े हैं। ओपन-एएमआर एक वेब आधारित प्लेटफार्म है जो भारतभर में कहीं भी नर्सों के लिए7 क्षेत्रीय भाषाओं—अंग्रेजी, हिंदी, मलयालम, तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मराठी में उपलब्धर होगा। इस प्लेटफार्म पर नर्सों और अस्पतालों के लिए निश्शुल्क पाठ्यक्रम उपलब्धर हैं। ये पाठ्यक्रम एंटी माइक्रोबियल रेजिस्टेंस (एएमआर) के तहत् इंफेक्शन रोकने और नियंत्रण करने (आईपीसी)और एंटी माइक्रोबियल प्रथाओं (एएमएसपी) पर ज़ोर देंगे, जो कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया की 10 बड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है। आने वाले वर्षों में और भी कोर्स इसमें जोड़े जाएंगे।

इस प्लेवटफार्म को भारत की पहली एंटीमाइक्रोबायल रेजिस्टैंस समिट 2022 में श्रीमती के के शैलजा टीचर, माननीय पूर्व स्वाएस्य्यल एवं परिवार कल्या2ण मंत्री, केरल सरकार तथा डॉ अतुल गोयल, महानिदेशक स्वा स्य्ट सेवाएं, भारत सरकार द्वारा जारी किया गया। समिट का आयोजन आईएचडब्यूफ काउंसिल की ओर से नॉलेज एवं अवेयरनैस पार्टनर के तौर पर किया गया। इस समिट में, सरकार, नीति-निर्माताओं, हैल्थककेयर विशेषज्ञों, प्रतिष्ठित चिकित्सा एवं अनुसंधान संस्था नों से जुड़े हितधारकों तथा वैज्ञानिकों ने मिलकर, एएमआर पर इन दो महत्वधपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया ङ्क

- स्वास्य्यो संबंधी परिणामाओं और आर्थिक लागत के संदर्भ में संक्रमण रोकथाम की चुनौतियां
- एंटीबायोटिक प्रतिरोध संबंधी अंतर को पाटना, जो कि संयुक्तत राष्ट्रस द्वारा वैश्विक संदर्भों में निर्धारित सहस्राब्दि विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में एएमआर की भूमिका को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा

समिट में भाग लेने वाले प्रमुख प्रतिभागियों मेंडॉ कामिनी वालिया, वैज्ञानिक एफ, प्रोग्राम अधिकारी एएमआर, डिवीज़न ऑफ एपिडिमियोलॉजी एवं कम्यूनिकेबल डिज़ीज़, आईसीएमआर,प्रोफेसर (डॉ) रॉय के जॉर्ज, नेशनल प्रेसीडेंट, ट्रेन्डो नर्सिंग एसोसिएशन इंडिया और डॉ उर्वशी प्रसाद, डायरेक्टलर, डेवलपमेंट मॉनीटरिंग एवं इवेलुएशन ऑफिस, नीति आयोग शामिल थे।

इस प्रोग्राम के महत्व के बारे में शरद गोस्वामी, सीनियर डायरेक्टर कार्पोरेट अफेयर्स, फाइजर लिमिटेड ने कहा, "भारत के अस्पतालों में नर्सें प्रमुख स्तंभ हैं और वे हेल्थकेयर की कुशल डिलीवरी एवं इंफेक्शन नियंत्रण में बड़ा योगदान करती (ते) हैं। हमें यकीन है कि नर्सें अस्पतालों में एंटी माइक्रोबियल स्टीवार्डशिप और इंफेक्शन नियंत्रण में अहम भूमिका निभा सकती हैं। पिछले कई वर्षों से फाइजर के लिए एंटी माइक्रोबियल रेजिस्टेंस दुनियाभर में ही नहीं, स्थानीय स्तर पर भी एक बड़ी प्राथमिकता बन गया है। हमें भारत में हर नर्स के लिए एएमआर पर कोर्स और ओपन उपलब्ध कराने में अमरीकेयर्स इंडिया फाउंडेशन एवं मेडवर्सिटी के साथ सहयोग करते हुए हर्ष हो रहा है।"

अमेरिका में बंदूक हिंसा रोकने के लिए प्रस्ताव

वाशिंगटन। अमेरिका में पिछले महीने हुयी सामूहिक गोलीबारी के बाद में बंदूक हिंसा पर रोक लगाये जाने की चौतरफा मांग के बीच अमेरिकी सीनेट ने एक प्रस्ताव की घोषणा की है, इसमें किसी कड़ी कार्रवाई की व्यवस्था नहीं है लेकिन मामूली बंदूक प्रतिबंध और स्कूल सुरक्षा तथा मानसिक स्वास्थ्य सुधार कार्यक्रमों जैसे कदम इसमें शामिल हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और कई डेमोक्रेट द्वारा लंबे समय से कड़े कदमों की मांग को पूरा करने में यह प्रस्ताव सफल नहीं रहा है। फिर भी, बाइडन ने इसका स्वागत किया और कहा कि इससे कई वर्षों से जारी बंदूक हिंसा को रोकने में मदद मिलेगी। बाइडन ने कहा कि इस प्रस्ताव में '' वह सबकुछ नहीं है जो मुझे लगता है कि आवश्यक है, लेकिन यह सही दिशा में महत्वपूर्ण कदमों को दर्शाता है। यह दशकों में कांग्रेस द्वारा पारित सबसे महत्वपूर्ण बंदूक सुरक्षा कानून होगा।'' उन्होंने कहा कि द्विदलीय समर्थन को देखते हुए, '' इसमें विलंब की कोई वजह और कारण नहीं बचा है....'' सांसदों के इस महीने इसे कानूनी रूप देने की उम्मीद है।

परमाणु हथियार सम्पन्न देश अपने शस्त्रागारों को बढ़ा रहे हैं: एसआईपीआरआई

स्टॉकहोम। आने वाले वर्षों में दुनिया के परमाणु हथियारों के भंडार में वृद्धि होने की आशंका है जिसमें शीतयुद्ध की समाप्ति के बाद से गिरावट देखी गई थी। यह बात हथियारों की निगरानी करने वाली एक संस्था'स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई) ने सोमवार को कही। एसआईपीआरआई ने कहा कि परमाणु हथियार सम्पन्न सभी नौ देश अपने शस्त्रागारों को बढ़ा रहे हैं या उसे उन्नत कर रहे हैं। एसआईपीआरआई के सामूहिक विनाश के हथियार कार्यक्रम के शोधकर्ता और फेडरेशन आफ अमेरिकन साइंटिस्ट में परमाणु सूचना परियोजना के निदेशक हैंस एम. क्रिस्टेंसन ने कहा, 'इस बात के स्पष्ट संकेत हैं कि शीतयुद्ध की समाप्ति के बाद से दिखी वैश्विक परमाणु शस्त्रों में कमी लाने की प्रवृत्ति समाप्त हो गई है।' दुनिया के 90 प्रतिशत परमाणु हथियार रखने वाले अमेरिका और रूस के शस्त्र भंडार में वर्षों पहले सैन्य सेवा से हटाये जाने वाले आयुधों को नष्ट किये जाने के कारण 2021 में गिरावट आयी थी। एसआईपीआरआई ने कहा कि उनके उपयोग योग्य सैन्य भंडार अपेक्षाकृत स्थिर रहे और परमाणु हथियारों में कमी की संधि द्वारा निर्धारित सीमा के भीतर रहे। अनुसंधान संस्थान ने कहा कि अन्य परमाणु सम्पन्न देश- ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, इज़राइल और उत्तर कोरिया - या तो नयी हथियार प्रणालियां विकसित कर रहे हैं या तैनात कर रहे हैं, या ऐसा करने के अपने इरादे की घोषणा कर चुके हैं। इज़राइल ने इस तरह के हथियार होने की बात कभी भी सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं की है। एसआईपीआरआई के सामूहिक विनाश के शस्त्र कार्यक्रम के निदेशक विल्फ्रेड वान ने कहा, ''सभी परमाणु हथियार सम्पन्न देश अपने शस्त्रागार को बढ़ा रहे हैं या उन्नत कर रहे हैं। यह बहुत ही चिंताजनक प्रवृत्ति है।

अमेरिका मे नाइटक्लब में गोलीबारी, दो लोगों की मौत, चार घायल

गैरी (अमेरिका)। अमेरिका के इंडियाना प्रांत के एक नाइट क्लब में रविवार को हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। शिकागो के दक्षिण पूर्व में स्थित गैरी में देर रात करीब दो बजे पुलिस को गोलीबारी की सूचना मिली। अधिकारियों ने बताया कि गोलियां लगने से 34 वर्षीय एक पुरुष और 26 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, गोलीबारी में चार अन्य लोग घायल हुए हैं, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। प्राधिकारियों ने फिलहाल घायलों के नाम और गोलीबारी के कारणों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

पाकिस्तान में चीनी नागरिकों की हत्या पर ड्रैगन ने बाजवा की लगाई लताड़, अमेरिका के साथ रिश्तों पर फंसा पेंच

इस्लामाबाद । चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बुलावे पर बीजिंग पहुंचे पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा को देश में चीनी नागरिकों की हत्या पर काफी सुनना पड़ गया। चीन ने सीपीईसी परियोजना में काम कर रहे चीनी नागरिकों की हत्या पर नाराजगी जताई और जनरल बाजवा से इन्हें रोकने के लिए कहा। इस बीच पश्चिमी देशों के साथ बढ़ते तनाव को देखते हुए अब चीन ने पाकिस्तान से खुलकर रणनीतिक भागीदारी बढ़ाने के लिए कहा। ड्रैगन के इस दांव से अमेरिका-चीन में संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा पाकिस्तान बुरी तरह से फंस गया है।

चीन ने अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर यह लताड़ ऐसे समय पर लगाई है जब इस्लामाबाद पुलिस ने हाल ही में विदेशी सुरक्षा सेल बनाने का फैसला किया है। अब पाकिस्तान में चीन के प्रत्येक नागरिक को वही सुरक्षा मिलेगी जो सीपीईसी प्रॉजेक्ट में हिस्सा ले रहे चीनी नागरिकों को दी जाती है। बताया जा रहा है कि ऐसा पहली बार है, जब पाकिस्तान का कोई सेना प्रमुख चीन के दौरे पर गया हो। यह दल 9 से 12 जून तक बीजिंग में रहा था।

इस बीच चीन ने अमेरिका के साथ ताइवान को लेकर बढ़ते तनाव को देखते हुए इस 'चुनौतीपूर्ण' समय में पाकिस्तान से रक्षा संबंध बढ़ाने के लिए कहा है। इस पाकिस्?तानी दल में सेना, नौसेना और वायुसेना तीनों के ही शीर्ष अधिकारी चीन पहुंचे थे। पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने चीन की सेना पीएलए के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय पर हुई है, जब सिंगापुर में चीन और अमेरिका के रक्षा मंत्रियों के बीच मुलाकात हुई है। इस बैठक के बाद दोनों ही पक्षों ने ताइवान को लेकर तीखे बयान दिए हैं।

पाकिस्तानी सेना प्रमुख और चीनी सैन्य अधिकारियों के बीच बैठक में रणनीतिक भागीदारी, सैन्य संबंध, ट्रेनिंग, तकनीक का प्रशिक्षण बढ़ाने पर जोर दिया। उधर, पाकिस्तानी विश्लेषकों का कहना है कि पाकिस्तानी सेना और चीनी सेना के बीच भागीदारी दुनिया में तेजी से बदलते घटनाक्रम में बेहद अहम है। जनरल बाजवा पहले ऐसे पाकिस्तानी सेना प्रमुख हैं जिन्हें चीनी राष्ट्रपति के न्योते पर बीजिंग बुलाया गया है। हाल के दिनों में चीन और पाकिस्तान के बीच रक्षा संबंध बहुत तेजी से परवान चढ़े हैं। पाकिस्तान को चीन ने हाल ही में अपना अत्याधुनिक जे-10 फाइटर जेट दिया है। पाकिस्तान पहला ऐसा देश है, जिसे यह विमान चीन की ओर से दिया गया है। इस बीच पाकिस्तान पर दबाव है कि वह पश्चिमी देशों और चीन के बीच रिश्तों में संतुलन को स्थापित करें। इस इलाके में अमेरिका के रणनीतिक हितों और नए शीत युद्ध के खतरों को देखते हुए पाकिस्तान के लिए अब संतुलन बैठाने में बहुत मुश्किल हो रही है। चीन के दबाव के बाद अब जनरल बाजवा के रुख पर अमेरिका की भी नजरें रहेंगी।

उत्तर कोरिया में आंतरिक एकता के लिए अफसरों पर कार्रवाई की किम की योजना

सियोल। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन और उनके शीर्ष सहायकों ने उन अफसरों पर कार्रवाई करने पर जोर दिया है, जिन्होंने अपने अधिकारों का दुरुपयोग किया और आर्थिक रूप से अनुचित तथा गैर-क्रांतिकारी कार्य किए। यह किम के कोविड-19 महामारी और वृहद आर्थिक मुश्किलों से निपटने के लिए आंतरिक एकता बनाए रखने की कवायद का हिस्सा है। यह स्पष्ट नहीं है कि सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की बैठक में किन कार्यों का जिक्र किया गया। कुछ पर्यवेक्षकों का कहना है कि संभवत- ऐसे कथित कार्यों पर यह कार्रवाई किम की अपने लोगों पर पकड़ मजबूत करने और घरेलू मुश्किलों के परिदृश्य में अपने नेतृत्व के पक्ष में रखने की कोशिश का हिस्सा हो सकता है।

आधिकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' ने कहा कि किम और पार्टी के अन्य वरिष्ठ मंत्रियों ने ''सत्ता के दुरुपयोग और पार्टी के कुछ अधिकारियों के बीच नौकरशाही के खुलासे समेत आर्थिक रूप से अनुचित तथा गैर-क्रांतिकारी कार्यों के खिलाफ अधिक गहन संघर्ष छेड़ने'' पर चर्चा की। किम ने पार्टी के ''अखंड नेतृत्व'' और ''मजबूत अनुशासन के जरिए पार्टी की व्यापक राजनीतिक गतिविधियों'' को बढ़ावा देने का आदेश दिया। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर उत्तर कोरिया द्वारा पाबंदियां बढ़ाए जाने से देश की आर्थिक मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

सैकड़ों साल पहले समुद्र में डूबे जहाज में मिला 17 बिलियन डालर का सोना

वाशिंगटन । समुद्र में करीब 300 साल पहले डूबे सैन जोस युद्धपोत के मलबे के पास हाल ही में दो समुद्री जहाज मिले थे। खोजकर्ताओं के अनुसार इन जहाजों में 17 बिलियन डॉलर का सोना लदा हुआ था। 62 बंदूकों वाले सैन जोस युद्धपोत को अंग्रेजों ने 1708 में डुबो दिया था। इस जहाज को खोजकर्ताओं ने 2015 में खोजा था, लेकिन अब स्पेनिश सरकार ने जहाज के मलबे के फुटेज को जारी किया है। समुद्र की सतह पर एक रिमोट कंट्रोल डिवाइस के माध्यम से लिया गया मलबे के फुटेज में देखा जा सकता है कि इसमें कई मूल्यवान वस्तुए और कुछ पीले रंग के सिक्के जैसी वस्तुएं मौजूद हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि मुख्य जहाज के पास एक नाव और एक स्कूनर है। रिपोर्ट में दावा किया है कि समुद्र में डूबे हुए दोनों जहाज करीब 200 साल पुराने हैं। इनकी खोज करने के लिए दूर से संचालित एक वाहन को देश के कैरिबियन तट से 31000 फीट की गहराई तक भेजा गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि जहाज के आस पास चीनी मिट्टी के बर्तन, कप और पीले रंग के सीक्के के आकृति वाली चीजे मौजूद है।

उम्मीद जताई जा रही है कि ये पीले रंग के पदार्थ सोने के सिक्के हो सकते हैं। पूरी सतह पर सामान पूरी तरह से बिखरा पड़ा है। समुद्र के नीचे कई सदियां बिताने के बावजूद जहाज का एक हिस्सा और सामान पूरी तरह से सुरक्षित है। समुद्र तल के वीडियो में देखा जा सकता है कि जहाज के मलबे पर एक तोप मौजूद है।

ब्रिटेन में रवांडा के लोगों को दी जा रही शरण पर विरोध करते हुए लोग।

रूस में सामने आया ओमिक्रॉन का नया वेरिएंट, वैज्ञानिकों ने जारी किया अलर्ट

मास्को । रूस में कोविड के ओमिक्रॉन वेरिएंट का एक अधिक संक्रामक स्ट्रेन मिला है। रूस के नेशनल कंज्यूमर हेल्थ वॉचडॉग ने यह जानकारी दी है। रोस्पोट्रेबनादजोर में सेंट्रल रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर एपिडेमियोलॉजी में जीनोम रिसर्च के प्रमुख कामिल खफीजोव ने बताया कि 2 राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं ने बीए.4 सबलाइन के वायरल जीनोम को वीजीएरस डेटाबेस में फीड किया है। जांच के लिए ये दोनों नमूने मई के अंत में लिए गए थे। रूसी साइंटिस्ट ने बताया कि रूस में सामने आ रहे कोरोना वायरस संक्रमण के 95 प्रतिशत नए मामलों के लिए बीए.2 सबवेरिएंट जिम्मेदार है।

कामिल खफीजोव ने कहा हाल ही में प्रकाशित कई अध्ययनों से पता चला है कि वेरिएंट, जिन्हें बीए.4 और बीए.5 के रूप में जाना जाता है, ओमिक्रॉन के शुरुआती रूपों की तुलना में थोड़ा अधिक संक्रामक हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख ने मई में चेतावनी दी थी कि बीए.4 और बीए.5 के ओमिक्रॉन सबलाइनेज गैर-टीकाकरण वाले देशों में इस बीमारी को बढ़ा रहे हैं, हालांकि ओमिक्रॉन का बीए.2 सबवेरिएंट दुनिया भर में अब भी कोरोना संक्रमण की प्रमुख वज?ह बना हुआ है।

भारतीय आध्यात्मिक गुरु बाइडन से मिले, बंदूक हिंसा से निपटने के लिए 'शांति शिक्षा' का सुझाव दिया

वाशिंगटन (एजेंसी)।

एक भारतीय आध्यात्मिक गुरु ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से मुलाकात कर उन्हें अमेरिकी स्कूलों में 'शांति शिक्षा' लागू करने की सलाह दी है, ताकि देश में बढ़ती बंदूक हिंसा की समस्या से निपटा जा सके। एक महीने के लंबे दौरे पर अमेरिका पहुंचे जैन धर्मगुरु आचार्य लोकेश मुनि ने पिछले सप्ताह लॉस एंजिलिस में डेमोक्रेटिक पार्टी के एक कार्यक्रम के इतर राष्ट्रपति बाइडन से मुलाकात की।

मुनि ने बैठक के दौरान बाइडन से कहा, ''समस्या केवल बंदूकें नहीं हैं, बल्कि समस्या मानसिकता के साथ है। असली समाधान हमारे दिमाग के अंदर मौजूद उस मानसिकता से निपटना है।'

उन्होंने कहा कि प्राथमिक स्तर से ही 'शांति

शिक्षा' लागू करने की जरूरत है और अगर हम ऐसा करने में सफल रहते हैं तो इस समस्या का एक स्थायी समाधान हो जाएगा। बीते 24 मई को एक बंदूकधारी ने टेक्सास के उवाल्दे में एक प्राथमिक विद्यालय में घुसकर 19 बच्चों और दो शिक्षकों की हत्या कर दी थी। यह अमेरिका में लगभग एक दशक में किसी स्कूल में गोलीबारी की सबसे घातक घटना थी।

मुनि ने कहा, 'बंदूक केवल एक उपकरण है, वास्तविक समस्या मानव मस्तिष्क है। मैं यह केवल एक भारतीय साधु या जैन संत होने के नाते नहीं कह रहा हूं। यह एक वैज्ञानिक सत्य है।'

उन्होंने कहा, 'चिकित्सा विज्ञान मानता है कि यदि छात्र का सिंपेथेटिक तंत्रिका तंत्र पैरासिंपेथेटिक तंत्रिका तंत्र की तुलना में अधिक सक्रिय है तो वह हीन भावना से ग्रस्त हो जाएगा या बहुत आक्रामक हो जाएगा, जैसा कि टेक्सास और वर्जीनिया विश्वविद्यालय में देखने को मिला, जब छात्रों द्वारा कई लोगों को गोली मारी गई।' बंदूक हिंसा अमेरिका में असामयिक मौत का एक बड़ा कारण है। अमेरिकी जन स्वास्थ्य संघ के मुताबिक, अमेरिका में बंदूक से हर साल 38,000 से अधिक लोगों की जान जाती है और लगभग 85,000 लोग घायल होते हैं।

ऑस्ट्रेलिया के साथ संबंध 'नए मोड़' पर हैं: चीनी राजदूत

कैनबरा (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया में चीन के राजदूत ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में नयी सरकार बनने और दो वर्षों से भी अधिक समय में पहली मंत्री स्तरीय वार्ता के साथ दोनों देशों के बीच संबंध ''नए मोड़'' पर है।

राजदूत शिआओ क्वान ने पश्चिमी तटीय शहर पर्थ में ऑस्ट्रेलिया-चीन मैत्री सोसायटी में सप्ताहांत भाषण में द्विपक्षीय संबंधों पर बातचीत की। दूतावास की वेबसाइट ने सोमवार को यह भाषण प्रकाशित किया है।

शिआओ ने कहा, ''अंतरराष्ट्रीय, राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य गहन और जटिल बदलावों के दौर से गुजर रहे हैं। चीन-ऑस्ट्रेलिया के संबंध नए मोड़ पर हैं, कई अवसरों का सामना कर रहे हैं।''

उन्होंने कहा, ''मेरा दूतावास और ऑस्ट्रेलिया में चीन के महावाणिज्यदूतावास ऑस्ट्रेलिया की संघीय सरकार, राज्य सरकारों और सभी वर्गों के मित्रों के साथ मिलकर चीन-ऑस्ट्रेलिया संबंधों को हमारे दोनों देशों तथा लोगों के फायदे के लिए सही राह पर ले जाने के वास्ते तैयार है।''

शिआओ ने शनिवार को यह भाषण दिया, जिसके एक दिन बाद चीन के रक्षा मंत्री जनरल वेई फेंगे ने सिंगापुर में क्षेत्रीय सुरक्षा सम्मेलन से इतर ऑस्ट्रेलिया के अपने समकक्ष रिचर्ड मार्ल्स से एक घंटे तक बैठक की। मार्ल्स ने द्विपक्षीय संबंधों को ठीक करने में इस बैठक को ''महत्वपूर्ण पहला कदम'' बताया।

यूक्रेन छोड़ रहे भारतीय छात्रों को रूसी विश्वविद्यालय देंगे दाखिला : रूसी राजनयिक

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)।

रूस-यक्रेन युद्ध के कारण पढ़ाई बीच में छोड़कर भागे भारतीय विद्यार्थियों को रूसी विश्वविद्यालय दाखिला देने की पेशकश करेंगे और इन छात्रों को पूर्व शैक्षणिक सत्रों के दौरान की गई पढ़ाई के नुकसान का सामना नहीं करना पड़ेगा। नयी दिल्ली स्थित रूसी दूतावास में मिशन के उप प्रमुख रोमन बाबुश्किन ने रविवार को यह बात कही। बाबुश्किन ने कहा कि छात्रों को रूसी विश्वविद्यालयों में प्रवेश दिया जाएगा, जहां वे अपने संबंधित पाठ्यक्रमों को जारी रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि इन विद्यार्थियों को पिछले वर्षों के किए गए अध्ययन के नुकसान का सामना नहीं करना पड़ेगा। इस साल फरवरी में रूस द्वारा यूक्रेन पर हमले के बाद यूक्रेन से भागे 20,000 से अधिक भारतीय छात्रों के भविष्य से जुड़े पत्रकारों के सवालों पर उन्होंने यह बयान दिया। रूसी संघ के मानद राजदूत और तिरुवनंतपुरम में रूसी सदन के निदेशक रथीश सी. नायर ने कहा कि जिन मामलों में छात्रों के पास छात्रवृत्ति है, यह संभव है कि रूसी विश्वविद्यालयों में इसे स्वीकार किया जाएगा। हालांकि, उन्होंने संकेत दिया कि यूक्रेन में भुगतान की जा रही फीस रूस में पढ़ाई के लिहाज से पर्याप्त नहीं हो सकती है।

इमरान खान ने पीएम शहबाज शरीफ को दी चुनौती-अगला चुनाव जीत कर दिखाइए

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआइ) पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने पीएम शहबाज शरीफ की गठबंधन सरकार को चुनौती दी कि वह अगला चुनाव जीतकर दिखाएं। इमरान खान ने दावा किया कि मौजूदा गठबंधन सरकार के लिए अगला चुनाव जीतना असंभव है। उन्होंने कहा कि जीतना तो दूर, मौजूदा सरकार के लिए चुनाव अभियान चलाना भी बहुत मुश्किल होगा, क्योंकि पीटीआई अगले चुनावों के लिए पूरे जोर-शोर से काम कर रही है। इमरान खान ने 25 मई को आयोजित अपने दुर्भाग्यपूर्ण आजादी मार्च पर भी बात की, जिसे शहबाज शरीफ सरकार द्वारा एक मजबूत प्रतिबंध के बाद वापस ले लिया गया था। इमरान खान ने कहा कि सरकार ने पिछले माह इस्लामाबाद में पार्टी के 'आजादी मार्च' के बाद पीटीआइ के सदस्यों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की, ताकि वह 'किसी को भी सलाखों के पीछे फेंक सके। पूर्व प्रधानमंत्री ने 9 जून को राष्ट्रीय जवाबदेही (संशोधन) विधेयक 2022 पारित करने के लिए शाहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना की, जिसे पहले राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने वापस कर दिया था। इमरान खान ने कहा कि पीटीआई जल्द ही सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएगी। देश की समग्र राजनीतिक स्थिति के बारे में पीटीआई अध्यक्ष ने कहा कि पूरा देश 'संस्थाओं की ओर देख रहा है कि वे हस्तक्षेप करें और चीजों को ठीक करें। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए इमरान खान ने कहा परियोजनाओं को कोरोना वायरस महामारी के कारण रोकना पड़ा।

नुपुर शर्मा के बयान के खिलाफ प्रदर्शन करना प्रवासियों को पड़ा भारी, कुवैत सरकार डिपोर्ट कर भेजेगी भारत

कुवैत सिटी (एजेंसी)।

कुवैत सरकार भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने वाले प्रवासियों को गिरफ्तार करेगी और उन्हें वापस डिपोट किया जाएगा। प्रवासियों पर विरोध प्रदर्शन आयोजित करने का आरोप है जिसकी अनुमति कुवैत में प्रवासियों को नहीं है। समाचार आउटलेट अरब टाइम्स की तरफ से इस घटना की सूचना दी गई। कुवैत गैर-कुवैतियों को धरना या प्रदर्शन आयोजित करने से रोकता है।

गिरफ्तार किए गए लोगों को भी कुवैत में फिर से प्रवेश करने से रोक दिया जाएगा। कुवैत सरकार ने गाइडलाइंस का पालन नहीं करने वाले प्रदर्शनकारियों प्रवासियों को फहील क्षेत्र से गिरफ्तार करने और किसी डिटेंशन सेंटर में लाने के निर्देश दिए थे। अल राय की रिपोर्ट के मुताबिक देश की खुफिया एजेंसी के जासूसों को इन प्रवासियों की पहचान सुनिश्चित करने के साथ सभी को गिरफ्तार करके डिटेंशन सेंटर लाने की जिम्मेदारी दी गई थी ताकि आरोपियों

को उनके देश डिपोर्ट करने के साथ ब्लैक लिस्ट किया जा सके। यानी ये लोग दोबारा कभी कुवैत नहीं जा सकेंगे। वहीं एक सरकारी बयान में ये भी कहा गया है कि कुवैत में बसे सभी प्रवासियों को कुवैत के कानूनों का सम्मान करना चाहिए।

अरब टाइम्स द्वारा साझा किए गए वीडियो में एक भारी-भरकम व्यक्ति को नारे लगाते हुए और दूसरों से ऐसा करने का आग्रह करते हुए, पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणियों के लिए न्याय की मांग करते हुए दिखाया गया है। आदमी की पहचान अज्ञात बनी हुई है, लेकिन फहील में सड़क के किनारे पर, जैसा कि वीडियो में देखा जा सकता है, दो दर्जन से अधिक लोगों की भीड़ थी।

रूस से और कच्चा तेल खरीदने का विकल्प खुला: विक्रमसिंघे

कोलंबो (एजेंसी)।

गहरे आर्थिक संकट के बीच ईंधन की किल्लत का सामना कर रहे श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने कहा है कि मौजूदा परिदृश्य में उनके देश को रूस से अधिक मात्रा में कच्चा तेल खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

विक्रमसिंघे ने शनिवार को 'एसोसिएटेड प्रेस' के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि वह पहले अन्य स्रोतों से ईंधन खरीद की संभावना तलाशेंगे लेकिन रूस से अधिक कच्चा तेल खरीदने का विकल्प भी खुला हुआ है। उल्लेखनीय है कि यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद ज्यादातर पश्चिमी देशों ने रूसी ऊर्जा का आयात रोक दिया है।

विक्रमसिंघे ने कहा कि श्रीलंका को ईंधन की बहुत जरूरत है और वह पश्चिम एशिया में अपने परंपरागत आपूर्तिकर्ताओं से तेल और कोयला लेने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, ''हमें अन्य स्रोतों से आपूर्ति मिल जाती है तो हम लेंगे लेकिन यदि ऐसा नहीं होता है तो हमें फिर रूस से ही तेल लेना होगा।''

उन्होंने कहा, ''कभी हमें पता ही नहीं होता है कि हम किसका तेल खरीद रहे हैं। निश्चित रूप से हम खाड़ी क्षेत्र को ही मुख्य आपूर्तिकर्ता के तौर पर देख रहे हैं।''

करीब दो सप्ताह पहले श्रीलंका ने अपनी एकमात्र रिफाइनरी को चालू करने के लिए रूस से 90,000 मीट्रिक टन कच्चा तेल खरीदा था। श्रीलंकाई प्रधानमंत्री ने कहा कि रूस ने कच्चे तेल के अलावा श्रीलंका को गेहूं देने की भी पेशकश की है। वित्त मंत्रालय की भी जिम्मेदारी संभालने वाले विक्रमसिंघे ने यह साक्षात्कार राजधानी कोलंबो स्थित अपने कार्यालय में दिया। उन्होंने छठी बार श्रीलंका के प्रधानमंत्री का पद संभाला है।

राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने देश के आर्थिक संकट को सुलझाने के लिए विक्रमसिंघे की प्रधानमंत्री पद पर नियुक्ति की है। गहरे आर्थिक संकट की वजह से श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग खाली हो गया है। हालात बिगड़ने पर पिछले महीने देश में हिंसक विरोध-प्रदर्शन भी हुए थे।

इस समय श्रीलंका पर 51 अरब डॉलर का विदेशी कर्ज है। इस साल श्रीलंका को करीब सात अरब डॉलर के कर्ज का पुनर्भुगतान करना था लेकिन उसने इसे स्थगित कर दिया है। विक्रमसिंघे ने कहा कि उनकी सरकार ऋणों के पुनर्गठन के बारे

में चीन से बात कर रही है।

उन्होंने कहा कि बढ़ते कर्ज के बोझ के बावजूद वह चीन से और वित्तीय मदद लेना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि श्रीलंका की मौजूदा स्थिति उसकी अपनी वजह से है लेकिन यूक्रेन युद्ध के कारण हालात और बिगड़ गए हैं। उन्होंने कहा कि देश में खाद्य संकट की स्थिति 2024 तक बनी रह सकती है। उन्होंने कहा, ''यूक्रेन संकट ने आर्थिक संकुचन के लिहाज से हमें प्रभावित किया। इस साल के अंत तक अन्य देशों में भी इसका प्रभाव देखने को मिलेगा। भोजन की कमी वैश्विक स्तर पर है।

सुविचार बदलाव प्रारम्भ में सबसे कठिन, मध्य में सबसे बेकार और अंत में सबसे अच्छा होता है। - राबिन शर्मा

संपादकीय

जाली करेंसी का करंट

वर्ष 2016 में जब देश में नोटबंदी का निर्णय लिया गया था तो दलील दी गई थी कि इससे नकली करेंसी पर रोक लगेगी। लेकिन जमीनी हकीकत में ऐसा कुछ नहीं हुआ। हाल की रिपोर्टें चौंकाने वाली हैं कि नकली करेंसी में तेजी से इजाफा हुआ है। पिछले वित्तीय वर्ष 2021-22 की वार्षिक रिपोर्ट बताती है कि केंद्रीय बैंक ने वर्ष 2020-21 की तुलना में पांच सौ के एक सौ एक फीसदी अधिक नकली नोटों की जानकारी हासिल की। इसी तरह दो हजार मूल्य के 54 फीसदी अधिक नोटों का पता लगाया। दूसरे छोटे नोटों में यह वृद्धि कम है क्योंकि जाली नोट बनाने वालों को बड़े नोट चलाने में ज्यादा फायदा होता है। निश्चय ही यह चिंताजनक स्थिति है क्योंकि आंकड़े आरबीआई के संज्ञान में आये नोटों के हैं। वास्तव में चलन में कई गुना नकली नोट प्रचालित हैं जिनका भान आम आदमी तक को नहीं होता। कुछ आर्थिक विशेषज्ञों के अनुमान के अनुसार पता लगने वाले नकली नोटों का प्रतिशत महज तीन-चार प्रतिशत होता है। इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि किस बड़े पैमाने पर नकली नोट प्रचलन में हो सकते हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड्स ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2020 में 92 करोड़ से अधिक के नकली नोट बरामद किये गये। जो 2019 में पकड़े गये नकली नोटों के मुकाबले 190 फीसदी अधिक थे। दरअसल, आर्थिक अपराधी पांच सौ व दो हजार के नकली नोट तैयार करने में ज्यादा रुचि लेते हैं क्योंकि इसमें ज्यादा मुनाफा होता है। दरअसल, विडंबना यह है कि आधुनिक तकनीक की उपलब्धता से शातिर लोग ऐसे नोट तैयार कर लेते हैं कि जिनका आम आदमी द्वारा पता लगाना मुश्किल होता है कि असली कौन सा है और नकली कौन सा। इस घातक खेल में कई पड़ोसी देशों की सरकारें भी शामिल हैं जो उन्नत प्रिंटिंग प्रेस का इस्तेमाल करके हूबहू वैसे ही नोट बनाने में कामयाब हो जाते हैं। दुश्मन देश भारतीय अर्थव्यवस्था को चूना लगाने व आतंकवाद को विस्तार देने के लिये नकली करेंसी का इस्तेमाल करते हैं। छपाई की सफाई असली-नकली में भेद करने में बाधक बनती है। एक सीमा तक तो लोग इसे बर्दाश्त करते हैं मगर ज्यादा होने पर मुद्रा के प्रति अविश्वास की भावना पैदा होने लगती है। ऐसा नहीं है कि सरकार व एजेंसियां नकली नोटों के प्रति सजग नहीं हैं। गाहे-बगाहे नकली नोट छापने वाली प्रिंटिंग प्रेसों की जब्ती व अपराधियों की गिरफ्तारी की खबरें आती हैं। लेकिन इसके खिलाफ बड़े पैमाने पर मुहिम चलाने की जरूरत है। इसके लिये केंद्र तथा राज्य सरकारों की विभिन्न एजेंसियों व खुफिया विभागों में बेहतर तालमेल की आवश्यकता है। साथ ही नई तकनीक के जरिये भी जाली नोटों के धंधेबाजों के खिलाफ शिकंजा कसा जाना चाहिए। संवेदनशील स्थलों की चौबीस घंटे निगरानी, अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर चौकियां बढ़ाने तथा गश्त तेज करने की जरूरत है। बांग्लादेश की तरह अन्य देशों के साथ भी नकली नोटों की तस्करी रोकने के लिये समझौते किये जाने चाहिए। जनता को जागरूक करना भी जरूरी है।

विश्व रक्त दाता दिवस

(लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

2022 के लिए, विश्व रक्त दाता दिवस का नारा है 'रक्तदान एकजुटता का कार्य है। स्वैच्छिक रक्तदान जीवन बचाने औरदिवस समुदायों के भीतर एकजुटता बढ़ाने में भूमिका की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रयास में शामिल हों और जीवन बचाएं'।

इस साल मेक्सिको अपने राष्ट्रीय रक्त केंद्र के माध्यम से विश्व रक्तदाता दिवस 2022 की मेजबानी करेगा। और वैश्विक कार्यक्रम 14 जून 2022 को मैक्सिको सिटी में आयोजित किया जाएगा। विश्व रक्तदाता दिवस स्वेच्छा से रक्तदान करने वाले उन रक्त दाताओं को धन्यवाद करने का अवसर है, जो कई लोगों का जीवन बचाते हैं। कई बार आपात स्थिति में एक्सीडेंट के दौरान या फिर ऑपरेशन या किसी अन्य कारण से खून की आवश्यकता जब मरीज को पड़ती है, ऐसे में रक्तदाताओं द्वारा दान किए गए खून से कई लोगों की जान बचाई जाती है। ऐसे ही ब्लड डोनर्स के महत्व और उन्हें धन्यवाद करने के लिए प्रति वर्ष 14 जून को 'वर्ल्ड ब्लड डोनर डे' मनाया जाता है। हर साल 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित करना और स्वैच्छिक रक्तदाताओं को धन्यवाद करना है। यह दिवस 14 जून 1868 को जन्मे नोबेल पुरस्कार विजेता और 'एबीओ रक्त समूह' की खोज करने वाले कार्ल लैंडस्टीनर के जन्मदिन के उपलक्ष में मनाया जाता है।

इस मौके पर डब्ल्यूएचओ दुनिया भर के लोगों से एकजुटता के भाव में रक्त दान करने का आह्वान करता है। आज भी कई लोगों को रक्त की आवश्यकता पड़ रही है ऐसे में एक बार फिर यह अंतर्राष्ट्रीय दिवस यह सुनिश्चित करेगा कि सभी जरूरतमंद लोगों तक रक्त पहुंच सके और किसी की भी मौत रक्त के आभाव की वजह से ना हो। विश्व रक्तदाता दिवस मनाए जाने की शुरुआत विश्व स्वास्थ्य संगठन, अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस संघ, और रेड क्रिसेंट समाज द्वारा वर्ष 2004 में की गई थी, जिसमें 14 जून को विश्व रक्तदान दिवस के रूप में मनाए जाने की बात कही गई थी। जिसके बाद पहला विश्व रक्तदाता दिवस 14 जून 2004 को मनाया गया था, और 2005 में इसे 58वीं विश्व स्वास्थ्य सभा में वार्षिक वैश्विक कार्यक्रम के रूप में नामित किया गया।

विश्व रक्तदाता दिवस कार्ल लैंडस्टीनर की जयंती के उपलक्ष में मनाया जाता है, उनका जन्म 14 जून 1868 को हुआ था। वह एक ऑस्ट्रियाई जीव वैज्ञानिक, चिकित्सक और प्रतिरक्षा विज्ञानी थे, उन्हें आधुनिक रक्त आधान का संस्थापक माना जाता है उनके कारण ही रोगी के जीवन को खतरे में डाले बिना ब्लड ट्रांसफ्यूजन संभव हो पाया है।

कार्ल ने ही 'एबीओ ब्लड ग्रुप सिस्टम' की खोज की थी, जिसके लिए वर्ष 1930 में उन्हें नोबेल पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। दुनिया भर में रक्त की जरूरत को पूरा करने, लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करने तथा स्वैच्छिक रक्त दाताओं का मनोबल बढ़ाने और उन्हें धन्यवाद देने के लिए हर साल विश्व रक्तदाता दिवस मनाया जाता है, क्योंकि इस अभियान से लाखों लोगों की जान बचाई जा सकती है। ब्लड ट्रांसफ्यूज़न के लिए सुरक्षित रक्त और रक्त उत्पादों की आवश्यकता के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाना गर्भवती महिलाओं और बच्चों के जीवन को बचाने के लिए रक्तदान करने वाले लोगों को प्रेरित करना। स्वेच्छा और बिना भुगतान वाले (बिना पैसे लिए) रक्त दाताओं को रक्तदान के लिए प्रोत्साहित करना। बीमारियों आपदाओं और दुर्घटनाओं से पीड़ित सभी उम्र के लोगों का जीवन बचाने के लिए सुरक्षित रक्त की आवश्यकता होती है, आपके द्वारा किया गया रक्तदान लोगों का जीवन बचाता है।

इस मौके पर आप क्या कर सकते हैं?

अपने ब्लड ग्रुप का पता लगाएं और रक्तदाता के रूप में रजिस्ट्रेशन करें।

नियमित डोनर बनने का संकल्प लें और रक्तदान करें।

अपने परिवार के लोगों मित्रों व सामाजिक नेटवर्क को नियमित रक्तदाता बनने के लिए प्रोत्साहित करें।

विश्व रक्तदाता दिवस कैसे मनाया जाता है?

भारत का केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय विश्व रक्तदाता दिवस का नेतृत्व करता है और विभिन्न स्थानों पर रक्तदान शिविर लगाकर नियमित रक्त दाताओं से रक्तदान करने का आग्रह करता है।

इसके अलावा सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, उप-जिला और जिला अस्पतालों तथा ब्लड बैंकों व विभिन्न स्तरों पर ब्लड ग्रुप टेस्ट करने के लिए उचित सुविधा तथा रक्त दाताओं को बधाई देने और प्रतिज्ञा लेने का समारोह भी आयोजित किया जाता है।

इस दिन को विश्व स्वास्थ्य संगठन, रेड क्रॉस अंतरराष्ट्रीय संघ और रेड क्रीसेंट समाज और रक्तदान संगठनों और कई दूसरे संगठनों द्वारा वैश्विक स्तर पर लोगों को ब्लड डोनेशन के प्रति प्रोत्साहित करते हुए कई अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों का आयोजन करके मनाया जाता है।

साथ ही सार्वजनिक स्थलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और दूसरे शैक्षिक संस्थानों पर भी रक्तदान के लिए कैंप लगाए जाते हैं जहां लोग स्वेच्छा से आकर ब्लड डोनेट कर सकते हैं।

आज भी दुनिया भर में लोगों के बीच रक्तदान को लेकर कई अलग-अलग भ्रम है कई लोग रक्तदान करते समय में काफी ज्यादा डरते हैं लेकिन हम आपको बता दें कि ब्लड डोनेट करने से कोई खतरा नहीं होता, परन्तु आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

पुरुष 3 महीने में और एक महिला 4 महीने में एक बार रक्तदान कर सकती है। रक्तदान करने के 21 दिन बाद आपका खून दोबारा बन जाता है। ब्लड डोनेट करने से किसी भी तरह की कमजोरी या फिर हीमोग्लोबिन की कमी नहीं होती।

रक्तदान करने से पहले या बाद में शराब या धूम्रपान का सेवन ना करें साथ ही सिगरेट, बीड़ी, तंबाकू गुटखा खाने से भी बचे।

खून देने के बाद आपको अपने शरीर का खास ख्याल रखना होता है ऐसे में आप हेल्दी डाइट ही ले और अधिक से अधिक मात्रा में फल और जूस आदि का सेवन करें।

ब्लड डोनेशन के बाद कम से कम 12-18 घंटे के बाद तक हैवी एक्सरसाइज ना करें।

इससे आपका वजन नियंत्रित तो होता ही है साथ ही लीवर भी स्वस्थ रहता है।

18 से 65 वर्ष वर्ष की आयु वाला कोई भी व्यक्ति रक्तदान कर सकता है जिसे कोई भी संक्रमण या रोग ना हो साथ ही उसका न्यूनतम वजन 50 किलोग्राम होना चाहिए।

ऐसे लोग रक्तदान नहीं कर सकते जो एचआईवी या हेपेटाइटिस पॉजिटिव हो, 6-12 महीनों के दौरान दिल का दौरा पड़ा हो या हाल ही में मलेरिया हुआ हो अथवा कोई टैटू बनवाया हो।

अंतिम शब्द

दोस्तों अब तो आप समझ ही गए होंगे कि रक्तदान कितना महत्वपूर्ण है और रक्तदाता भी किसी भगवान से कम नहीं है, हम विश्व रक्तदाता दिवस 2022 के अवसर पर उन सभी रक्तदाताओं को हार्दिक नमन और धन्यवाद करते हैं जिन्होंने निस्वार्थ और स्वेच्छा से रक्तदान किया है और करते आ रहे हैं।

अगर आप भी रक्तदान के सभी मानकों को पूरा करते हैं तो आप भी ब्लड डोनेट कर सकते हैं आपका रक्तदान किसी के जीवन को बचाने में कारगर साबित हो सकता है।

राजस्थान - गहलोत की गुगली से भाजपा हुई आउट

(लेखक-रमेश सर्राफ धमोरा)

राजस्थान में संपन्न हुए राज्यसभा के चुनाव में एक बार फिर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की जादूगरी देखने को मिली है। गहलोत ने भाजपा के मंसूबों पर पानी फेरते हुए आसानी से कांग्रेस पार्टी के तीनों प्रत्याशियों रणदीप सुरजेवाला, मुकुल वासनिक व प्रमोद तिवारी को जितवा कर कांग्रेस आलाकमान की नजरों में अपनी राजनीति का लोहा मनवाया है। इस बार के राज्यसभा चुनाव में गहलोत ने कांग्रेस के 108 विधायकों के साथ ही निर्दलीय व अन्य दलों के सभी विधायकों को एकजुट कर यह दिखा दिया है कि राजस्थान की राजनीति में उनके सामने भाजपा की कोई बिसात नहीं है। राजस्थान में राज्यसभा के लिए चार सीटों के चुनाव हुए हैं। यह चारों सीट पूर्व में भाजपा के पास थी। मगर संख्या बल के हिसाब से इस बार कांग्रेस के तीन व भाजपा का एक प्रत्याशी चुनाव जीत सकता था। लेकिन भाजपा ने हरियाणा से राज्यसभा सदस्य व मीडिया घराने के मालिक सुभाष चंद्रा को अपने समर्थन से निर्दलीय प्रत्याशी बनाकर मैदान में उतार दिया था। जिस कारण प्रदेश में चुनाव की नौबत आई। 2016 में सुभाष चंद्रा ने हरियाणा में जिस तरह जोड़-तोड़ कर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव जीता था। ऐसे में उनको बहम था कि राजस्थान में भी वो अपनी पुरानी कलाकारी दोहराएंगे। मगर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सामने सुभाष चंद्रा व उनके भाजपा समर्थकों की एक भी नहीं चली। वह मात्र 30 वोट ही प्राप्त कर सकें। सुभाष चंद्रा द्वारा भाजपा के समर्थन से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन करते ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सतर्क हो गए थे। उन्होंने अपने समर्थक विधायकों को एकजुट करना शुरू कर दिया। मुख्यमंत्री गहलोत ने कांग्रेस समर्थित अन्य सभी विधायकों को उदयपुर के एक रिसोर्ट में ले जाकर रखा ताकि सुभाष चंद्रा उनके समर्थक विधायकों में सेंध नहीं लगा सके। भाजपा से कांग्रेस में आए छ विधायकों, भारतीय ट्राइबल पार्टी के दो विधायकों व कुछ निर्दलीय विधायकों को सरकार से शिकायतें थी। उन सभी विधायकों की शिकायतों को भी मुख्यमंत्री गहलोत ने समय रहते सुनकर उनका निराकरण करवाया। साथ ही गहलोत ने भविष्य में उनकी और सभी बातों का निराकरण करवाने का भरोसा दिलवाया। उसके बाद सभी विधायक कांग्रेस के कैंप में उदयपुर पहुंच गए। इतना ही नहीं मुख्यमंत्री गहलोत स्वयं भी उदयपुर पहुंचकर विधायकों से लगातार सलाह मशविरा करते रहे व चुनावी रणनीति बनाते रहे। चुनावी नतीजों में कांग्रेस के रणदीप सुरजेवाला 43 वोट, मुकुल वासनिक 42 वोट व प्रमोद तिवारी 41 वोट लेकर विजेता रहे। भाजपा के घनश्याम तिवारी को 43 वोट मिले और वह भी चुनाव जीत गए। निर्दलीय सुभाष चंद्रा को मात्र 30 वोट ही मिल सके और वह चुनाव हार गए। इतना ही नहीं गहलोत ने भाजपा खेमे में सेंध लगाते हुए धौलपुर से भाजपा की विधायक शीलारानी कुशवाहा का वोट भी कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद तिवारी को दिलवा कर क्रास वोटिंग करवा दी। इससे भाजपा खेमे में हड़कंप मचा हुआ है। भाजपा ने शीला रानी कुशवाहा को पार्टी से निलंबित भी कर दिया है। हालांकि कांग्रेस का एक वोट भी गलती से निरस्त हो गया था। इस बार राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस आलाकमान ने तीनों ही प्रत्याशी राजस्थान से बाहर के भेज दिए थे। जिसका कुछ विधायकों ने विरोध भी किया था। मगर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सभी विधायकों को समझा कर विरोध को शांत करवाया। मुख्यमंत्री गहलोत ने कांग्रेस के उम्मीदवारों के पक्ष में 200 में से 126 वोट डलवाने में सफल रहे। जिनमें कांग्रेस के 108 वोट, निर्दलीय 13 वोट, माकपा के दो वोट, भारतीय ट्राइबल पार्टी के दो वोट, राष्ट्रीय लोक दल का एक वोट व एक भाजपा विधायक सीमारानी कुशवाहा का वोट पाने में सफल रहे। यदि कांग्रेस का एक वोट निरस्त नहीं होता तो कांग्रेसी प्रत्याशियों के पक्ष में 127 वोट पड़ते। राज्यसभा चुनाव में राजस्थान एकमात्र ऐसा प्रदेश है जहां से कांग्रेस के सबसे ज्यादा तीन सदस्य राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए हैं। राजस्थान से निर्वाचित हुए तीनों ही सदस्य मुकुल वासनिक, रणदीप सुरजेवाला, प्रमोद तिवारी कांग्रेस में केंद्र की राजनीति करते हैं। मुकुल वासनिक कांग्रेस के महासचिव होने के साथ ही सोनिया गांधी के विश्वस्त लोगों में है। वह केंद्रीय चुनाव कमेटी के सचिव भी है। रणदीप सुरजेवाला कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व मीडिया सेल के अध्यक्ष होने के साथ ही राहुल गांधी व संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल के विश्वास पात्र हैं। प्रमोद तिवारी उत्तर प्रदेश में पार्टी के बड़े ब्राह्मण चेहरे हैं। वह कई बार विधायक, मंत्री व पूर्व में राज्यसभा सदस्य भी रहे हैं। वह प्रियंका गांधी के निकट के लोगों में शामिल है। इस तरह से देखे तो राजस्थान से चुनाव जीतने वाले तीनों ही नेता कांग्रेस आलाकमान का हिस्सा है। इनकी जीत में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का बड़ा रोल है। ऐसे में कांग्रेस की राजनीति में यह तीनों ही नेता जरूरत पड़ने पर गहलोत के पैरोकार के रूप में काम करेंगे। इसका राजनीतिक रूप से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को लाभ मिलेगा। राज्यसभा चुनाव में तीन सीटें जितवाकर गहलोत ने कांग्रेस की राजनीति में अपना कद काफी बड़ा कर लिया है। ऐसे में उन्हें अगले दो साल तक शासन करने में किसी भी तरह की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। राज्यसभा चुनाव के माध्यम से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कांग्रेस के बागी नेता सचिन पायलट को भी किनारे कर देंगे। अब तक सचिन पायलट कुछ केंद्रीय नेताओं के समर्थन से ही गहलोत हटाओ अभियान चला रहे थे। मगर अब गहलोत ने बाजी पूरी तरह से पलट दी है। राजस्थान से कांग्रेस के 6 राज्य सभा सदस्य हैं। जिनमें एक पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह है। कांग्रेस के राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल को भी गहलोत पिछली बार राज्यसभा में पहुंचा चुके हैं। वेणुगोपाल कांग्रेस की राजनीति में राहुल गांधी के नंबर वन सलाहकार हैं। केसी वेणुगोपाल के समर्थन से ही गहलोत ने सचिन पायलट की बगावत को फेल किया था। अब राज्यसभा चुनाव में अपनी जादूगरी दिखाकर गहलोत ने पार्टी में अपनी पकड़ और मजबूत कर ली है। कुछ दिनों पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने एक बयान दिया था कि राज्यसभा चुनाव के बाद वह अपने मंत्रिमंडल में एक बार फिर फेरबदल करेंगे। ऐसे में लगता है कि इस बार के फेरबदल में वह अपने कट्टर विरोधी सचिन पायलट गुट के मंत्रियों को भी मंत्रिमंडल से बाहर का रास्ता दिखा कर अपने समर्थक कुछ और विधायकों को मंत्री बना सकते हैं।

आज के कार्टुन

पॉजिटिव सोच

सद्गुरु

सारी दुनिया में बहुत सारे लोग 'सकारात्मक सोच' के बारे में बात करते हैं। जब आप सकारात्मक सोच की बात कर रहे हैं तो एक अर्थ में आप वास्तविकता से दूर भाग रहे हैं। आप जीवन के सिर्फ एक पक्ष को देखना चाहते हैं और दूसरे की उपेक्षा कर रहे हैं। आप तो उस दूसरे पक्ष की उपेक्षा कर सकते हैं, लेकिन वो आप को नजरअंदाज नहीं करेगा।अगर आप दुनिया की नकारात्मक बातों के बारे में नहीं सोचते तो आप एक तरह से मूखरे के स्वर्ग (अवास्तविक दुनिया) में जी रहे हैं और जीवन आप को इसका सबक अवश्य सिखाएगा। अभी, मान लीजिए, आकाश में गहरे काले बादल छाए हैं। आप उनकी उपेक्षा कर सकते हैं मगर वे ऐसा नहीं करेंगे। जब वे बरसेंगे तो बस बरसेंगे। आप को भिगोएंगे तो भिगोएंगे ही। आप इसे नजरअंदाज कर सकते हैं और सोच सकते हैं कि सबकुछ ठीक हो जाएगा-इसकी थोड़ी मनोवैज्ञानिक और सामाजिक प्रासंगिकता हो सकती है पर अस्तित्व, वास्तविकता की दृष्टि से यह सुसंगत नहीं होगा। यह सिर्फ एक सांत्वना होगी। वास्तविकता से अवास्तविकता की ओर बढ़ते हुए, आप अपने आप को सांत्वना, धीरज दे सकते हैं। इसका कारण यह है कि आप को कहीं पर ऐसा लगता है कि आप वास्तविकता को संभाल नहीं सकते। और शायद आप नहीं ही संभाल सकते, अत- आप इस सकारात्मक सोच के वशीभूत हो जाते हैं कि आप नकारात्मकता को छोड़ना चाहते हैं और सकारात्मक सोचना चाहते हैं। या, दूसरे शब्दों में कहें तो आप नकारात्मकता से दूर जाना, उसका परिहार करना चाहते हैं। आप जिस किसी चीज का परिहार करना चाहें, वही आप की चेतना का आधार बन जाती है। आप जिसके पीछे पड़ते हैं, वह आप की सबसे ज्यादा मजबूत बात नहीं होती। आप जिससे दूर जाना चाहें, वो ही आप की सबसे मजबूत बात हो जाएगी। वो कोई भी, जो जीवन के एक भाग को मिटा देना चाहता है और दूसरे के ही साथ रहना चाहता है, वह अपने लिये सिर्फ दुख ही लाता है। सारा अस्तित्व ही द्वंद्वों के बीच होता है। आप जिसे सकारात्मक और नकारात्मक कहते हैं, वो क्या है? पुरु षत्व और स्त्रीत्व, प्रकाश और अंधकार, दिन और रात। जब तक ये दोनों न हों, जीवन कैसे होगा?

सू-दोकू नवताल - 2140

	9	3						
	7			1	8			9
		8	7	3		1		
	8	9		5	1		7	6
2								
	1		8	7		4	9	
		4		6	5	7		
7			3	2			5	
						6	4	

सू-दोकू -2139 का हल

5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2140

बायें से दायें:-

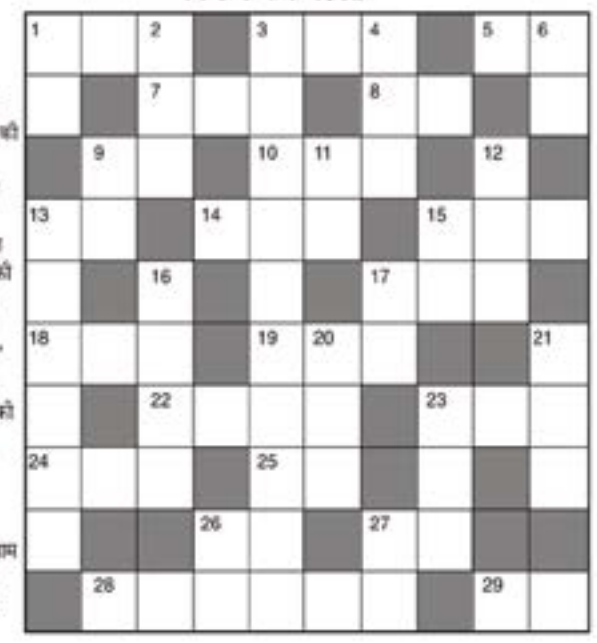

1. मनोजकुमार, साधना की 'तुम बिन जीवन कैसे बीता' गीतवाली फिल्म-3
3. 'चली सात फेरे लेकर' गीत वाली मिलिंद सोमण, विक्रम फिल्म-3
5. अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, रिमी सेन, ईशा देओल की फिल्म-2
7. 'हो जाता है प्यार' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी और प्राण की फिल्म-3
8. अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, अजय, मनीषा, रेखा, सोनाली, माधुरी की फिल्म-2
9. 'ना वादा करते हैं' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-2
10. अनिलकपूर, पूनम ढिल्लों की 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली फिल्म-3
13. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या फिल्म-2
14. अजय देवगन, विवेक, मनीषा की 'खल्लास' गीत वाली फिल्म-3
15. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-3
17. फिल्म 'दोस्ताना' की नायिका थी-3
18. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली राजकुमार, धर्मेंद्र की फिल्म-3
19. शशिकपूर, जीनत अमान की एक फिल्म-3
22. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीनाराय की 1972 की एक फिल्म-4
23. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली फिल्म-3
24. अनिल, श्रीदेवी, रवीना की फिल्म-3
25. आमिरखान, मनीषा की फिल्म-2
26. 1971 में बनी जीतेंद्र, हिम्मत कपाड़िया की श्याम रल्हन निर्देशित फिल्म-2
27. 'मिजाजे गिरामी दुआ है आपकी' गीत वाली फिल्म-2
28. फिल्म 'जांनशीन' में नायक-4,2
29. शाहिद कपूर, करीना की 'दिल मेरा ना और' गीत वाली फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

13. राजेश, जया भादुड़ी की 'बात गई रे बात गई' गीत वाली फिल्म-2,1,3
15. अक्षय, सुनील, जैकी, रवीना, लारा दत्ता की फिल्म-2
16. जैकी श्रॉफ, फराह की फिल्म-4
17. 'शीशी भरी गुलाब की' गीत वाली रणधीरकपूर, परवीन की फिल्म-2
20. करण दीवान, स्वर्णलता की 'अखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-3
21. 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली राजकुमार, मीनाकुमारीकी फिल्म-3
23. हिमालय, भाग्यश्री की 'मुझको पायल बना दिया' गीत वाली फिल्म-3
26. 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली मनोज, धर्मेन्द्र, सायरा बानो की फिल्म-2
27. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'मैनें मैं महबूब के' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2139

1. 'चंदा ये किसका है' गीत वाली फिल्म-2
2. विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-3
3. 'हाय हाय ये मजबूरी' गीत वाली मनोज कुमार जीनत अमान की फिल्म-2,3,2,3
4. फिल्म 'घर में राम गली में श्याम' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-3
6. आफताब शिवदासानी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-2
9. 'बड़ी मुश्किल है खोया मेरा दिल है' गीत वाली शाहरूख, माधुरी की फिल्म-3
11. फिल्म 'इंडियन' में नायक कौन था-2
12. मनोजकुमार की राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत फिल्मों में उनके किरदार का नाम है?-3

हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं।

बच्चों में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के ये हैं बेस्ट तरीके

क्रिएटिविटी एक ऐसी चीज है, जो आपको जीवन में और बेहतर बनाता है। हालांकि यह एक गलत धारणा है कि रचनात्मकता एक जन्मजात प्रतिभा है। इसमें आप खूब सारे आइडियाज और इमेजिनेशन का यूज करते हैं और कुछ शानदार आर्ट के साथ आते हैं। हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं। अपने बच्चों को क्रिएटिव थिंकिंग के लिए कैसे प्रोत्साहित करें यह हर मां-बाप सोचता है।

सीनियर क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट कहती हैं, 'बच्चों को नई चीजों को आजमाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्हें उन चीजों के बारे में बताएं और वो चीजें करने के लिए प्रेरित करें, जो उनकी स्कूल करिकुलम का हिस्सा न हों। उनके साथ डॉक्यूमेंट्री देखें और उनसे डॉक्यूमेंट्री के बारे में पूछें।' आइए एक्सपर्ट से जानें कि बच्चों को और किन तरीकों से प्रेरित किया जा सकता है।

बच्चों को सवाल पूछना सिखाएं

बच्चों में रचनात्मक सोच विकसित करने का एक मेन तरीका यह है कि उन्हें हमेशा सवाल करते रहने के लिए प्रेरित करें ।जब भी आप उनके साथ समय बिता रहे हों तो उनसे सवाल पूछें। जैसे आप उनसे छोटे-छोटे सवाल कर सकते हैं। ऐसे में उनके मन में जिज्ञासा बनेगी और वह नई चीजों के बारे में समझने की कोशिश करेंगे। इससे उनके कल्पनाशील कौशल में वृद्धि होगी और समस्या को सुलझाने की क्षमता विकसित होगी।

अच्छी डॉक्यूमेंट्रीज दिखाएं

एक शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री स्टोरी स्टूडेंट्स की लिटरेसी को सोर्स, स्वयं से और दुनिया से जुड़ाव के साथ बढ़ाने में मदद करती है। यह न केवल दुनिया को समझने और उससे जुड़ने का अवसर प्रदान करती हैं, बल्कि हमारे आसपास कई चीजों को समझने का भी एक अच्छा तरीका है। अपने बच्चों के साथ कोई भी डॉक्यूमेंट्रीज देखें तो उसकी चर्चा करें। उन्होंने इससे क्या सीखा और क्या समझा जानने की कोशिश करें।

उनके साथ क्विज और पजल खेलें

क्विज और पजल जैसे गेम बच्चों के दिमागी विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। पजल आपके बच्चे की समस्या-समाधान और क्रिटिकल थिंकिंग स्किल को विकसित करती हैं, जो बाद में जीवन में अन्य स्किल की महारत के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। पजल्स बच्चों को पैटर्न रिकग्निशन, मेमोरी और ग्रॉस और फाइन मोटर स्किल दोनों में मदद कर सकती हैं। इसलिए उनके साथ पजल खेलें।

आउटडोर गेम खिलाएं

अपने बच्चों को घर में रहने के लिए ही न कहें। उन्हें बाहर निकालें और कई फन एक्टिविटीज में उन्हें शामिल होने के लिए कहें। बच्चों के साथ आउटडोर गेम्स खेलें। ऐसे में उनकी एक्सरसाइज भी होगी और वे कुछ नया भी सीखेंगे। आप उन्हें तैराकी करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। किसी गेम में जैसे क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन आदि जैसे खेलों में शामिल होने के लिए कह सकते हैं।

सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाएं

अपने बच्चों सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाना भी बहुत जरूरी है। उन्हें पशु आश्रयों और वृद्धाश्रमों जैसी जगहों पर ले जाएं और स्वयं सेवा का महत्व सिखाएं। जब बच्चे ऐसा करेंगे तो वह औरों के प्रति भी सेंसेटिव अप्रोच रखने में सक्षम होंगे। ऐसी जगहों पर वे महत्वपूर्ण सामाजिक और भावनात्मक कौशल सीख सकेंगे और साथ ही समाज में भी योगदान दे सकेंगे।

नींद में न करें लापरवाही

इन सबके बाद सबसे महत्वपूर्ण चीज है कि आपका बच्चा पूरी और अच्छी नींद ले। अच्छी नींद का मतलब है कि उसके दिमाग को बेहतर आइडियाज उत्पन्न करने के लिए और नई चीजों पर काम करने के लिए समय मिलेगा। इनोवेटिव आइडियाज तभी आएंगे जब उसके दिमाग को शांति मिलेगी। बाकी एक्टिविटी के साथ उसकी नींद का भी पूरा ध्यान दें।

घर में लगाएं ये फूल तनाव होगा दूर, भीनी-भीनी खुशबू से आएंगी जीवन में खुशियां

आजकल के भागदौड़ भरे जीवन में सुकुन के दो पल चुराना बेहद मुश्किल हो गया है। बिजी लाइफ स्टाइल की वजह से लोग अक्सर तनाव में रहते हैं। ऐसे में इस तनाव को दूर करने के लिए अधिकतर लोग शहर से दूर बाहर किसी हिल स्टेशन पर जाना पसंद करते हैं। लेकिन हर कोई टेंशन कम करने के लिए हिल स्टेशन नहीं जा सकते हैं। लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि आप तनाव में रहें।

आप जीवन की टेंशन को घर में ही कम कर सकते हैं। आपके दिमाग में भी यहीं सवाल आया होगा कि कैसे टेंशन कम होगी? घबराइए मत हम आपकी सारी उलझन को दूर कर देंगे। इस लेख में हम आपको कुछ फूल के बारे में बताएंगे, जो आपके घर में खुशियां लेकर आएंगे। साथ ही यह फूल घर के साथ-साथ जीवन को भी महका देंगे।

चमेली

फूल न केवल घर की सुंदरता को बढ़ाते हैं बल्कि घर का वातावरण भी शुद्ध होता है। ऐसे में आप अपने घर में चमेली के फूल का पौधा लगा सकते हैं। चमेली का फूल अक्सर हर घर में मिल जाता है। इस फूल से पॉजिटिव एनर्जी मिलती है। फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके घर को खुशनुमा माहौल देगी। कहा जाता है कि चमेली का पौधा लगाने से घर में खुशियां आती हैं।

कमल

हिंदू धर्म में कमल का फूल बेहद खास माना जाता है। यह फूल मां लक्ष्मी को बेहद प्रिय है। कहा जाता है कि इस फूल को लगाने से घर में लक्ष्मी और सुख-समृद्धि आती है। घर में इस पौधे को लगाना बेहद शुभ माना जाता है।

मोगरा का फूल

ऐसा कहा जाता है कि घर में मोगरा पौधा लगाने से नकारात्मक ऊर्जा कम हो जाती है। मोगरे के फूल गर्मियों के मौसम में खिलता है। इस फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके तनाव को कम कर देंगे। मोगरा के फूल की खुशबू से घर आपके मन को तरोताजा कर देगी।

गुलाब

गुलाब का फूल न केवल दिखने में खूबसूरत है बल्कि यह फूल औषधीय गुण से भरपूर है। गुलाब की खुशबू तनाव को दूर करने में मदद करती है, साथ ही इससे रिश्ते की मिठास बनी रहती हैं।

चम्पा

चम्पा फूल को लगाने से घर का वातावरण शुद्ध होता है। हल्के पीले और सफेद रंग के ये चम्पा के फूल बहुत ही खूबसूरत होते हैं। इस फूल को लगाने से घर में सौभाग्य आता है।

गुड़हल का फूल

गुड़हल के फूल का उपयोग पूजा-पाठ में किया जाता है। भगवान गणेश को लाल गुड़हल के फूल बेहद पसंद है। ऐसा माना जाता है कि इस फूल को घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा आती है। लाल गुड़हल के फूल को आप भगवान बजरंगबली को भी अर्पित कर सकते हैं।

पारिजात

ऐसा माना जाता है कि पारिजात का फूल लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है। यह फूल रात के समय में खिलते हैं सुबह पेड़ से टूटकर गिर जाते हैं। इस फूल की खुशबू से पूरा घर महक जाता है। सुबह-सुबह घर में भीनी-भीनी खुशबू से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती हैं।

पारिजात के फूल को हरसिंगार के नाम से भी जाना जाता है। इस फूल की खुशबू से तनाव कम हो जाता है।

फर्नीचर हर घर की जरूरत है। आमतौर पर, लोग अपने घर के लिए ऐसे फर्नीचर खरीदना पसंद करते हैं, जो देखने में आकर्षक भी हों और बेहद अफोर्डेबल भी हों। इस लिहाज से प्लास्टिक के फर्नीचर का चयन करना एक अच्छा ऑप्शन माना जाता है। इनमें आपको डिजाइन से लेकर साइज व कलर आदि में एक बिग वैरायटी देखने को मिलेगी।

घर में प्लास्टिक फर्नीचर रखते समय वास्तु के इन टिप्स का रखें ध्यान

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल करने में कोई समस्या नहीं है। लेकिन अगर आप प्लास्टिक के फर्नीचर को घर में जगह दे रही हैं, तो आपको वास्तु के कुछ नियमों का ध्यान रखना चाहिए। दरअसल, प्लास्टिक के फर्नीचर को अगर घर में सही तरह से ना रखा जाए तो यह कभी-कभी नकारात्मकता भी पैदा कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में आपको वास्तुशास्त्री डॉ. आनंद भारद्वाज बता रहे हैं कि घर में प्लास्टिक के फर्नीचर रखते समय किन वास्तु टिप्स का ख्याल रखा जाना चाहिए

कलर का रखें ख्याल

जब आप प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल कर रही हैं, तो आपको इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए कि उस फर्नीचर का कलर कैसा है। आमतौर पर, प्लास्टिक के फर्नीचर के लिए क्रीम, व्हाइट, येलो और लाइट कलर का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। कभी भी ब्लैक कलर के प्लास्टिक फर्नीचर को घर में नहीं रखना चाहिए। वहीं, आजकल ऐसे प्लास्टिक फर्नीचर भी अवेलेबल हैं, जिसमें एक साथ कई कलर मिक्स होते हैं, बेहतर होगा कि आप उसे भी अवॉयड करें।

जब करें स्टडी

आजकल बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की मिलती हैं, जिन्हें लोग खरीदना काफी पसंद करते हैं। लेकिन वास्तु के अनुसार बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की नहीं होनी चाहिए। इससे बच्चे को पढ़ाई में ध्यान लगाने में समस्या पैदा हो सकती है। बेहतर होगा कि आप उनके लिए लकड़ी से बने फर्नीचर को प्राथमिकता दें। हालांकि, आप किसी कारणवश प्लास्टिक फर्नीचर का इस्तेमाल कर रहे हैं तो उस पर कोई कपड़ा बिछा दें।

जब करें पूजा

ऐसे कई लोग होते हैं, जिन्हें घुटनों की समस्या होती है तो वह कुर्सी पर बैठकर पूजा करते हैं। कोशिश करें कि आप जिस कुर्सी का इस्तेमाल पूजा स्थान में कर रहे हैं,, वह प्लास्टिक की ना हो। लेकिन फिर भी अगर आप ऐसा कर रहे हैं, तो कुर्सी पर कोई कपड़ा अवश्य बिछाएं। आपको यह विशेष रूप से ध्यान रखना है कि पूजा करते समय आप प्लास्टिक के डायरेक्ट संपर्क में ना रहें।

लॉन में करें इस्तेमाल

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर को लोग घर के किसी भी हिस्से में इस्तेमाल करते हैं। लेकिन आमतौर पर इस तरह के फर्नीचर को ऐसी जगह रखने की सलाह दी जाती है, जहां पर आप फुर्सत के पल बिताते हों और कोई बहुत आवश्यक या सेंसेटिव काम ना करते हों। इस लिहाज से प्लास्टिक फर्नीचर को घर के पीछे लॉन या फिर सामने खुले आंगन, व छत आदि पर रखना अधिक अच्छा माना जाता है।

प्लास्टिक का ना हो बेड

कुछ समय पहले तक बेड बनाते समय केवल लकड़ी का ही इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब मार्केट में प्लास्टिक के बेड भी मिलने लगे हैं। हालांकि, कभी भी घर में प्लास्टिक के बेड का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। बेड एक ऐसा फर्नीचर है, जिस पर आप एक लंबा समय बिताते हैं। ऐसे में प्लास्टिक की एनर्जी आपकी बॉडी की एनर्जी में नकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। बेड के लिए हमेशा लकड़ी के इस्तेमाल को ही प्राथमिकता दें।

1 नहीं बल्कि 3 तरीकों से उगाया जा सकता है फ्रेश हरा धनिया

भारतीय घरों में खाने का जायका बढ़ाने के लिए हरा धनिया का इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए हर रसोई में खाने में स्वाद और फ्लेवर के लिए फ्रेश धनिया गार्निश के लिए डाला जाता है। हालांकि, हर वक्त फ्रेश धनिया लाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। लेकिन अगर हम आपसे कहें कि आप घर में ही फ्रेश धनिया उगा सकती हैं और वो भी 3 तरीकों से। जी हां, आपने सही पढ़ क्योंकि आज आप इस लेख में जानने वाले हैं घर पर आसानी से हरा धनिया कैसे उगाया जा सकता है

सीड्स से उगाएं हरा धनिया

आप अपने गार्डन में हरा धनिया बीज की सहायता से लगा सकती हैं।(सेहत के लिए वरदान है हरा धनिया, डाइट में जरूर करें शामिल) आपको किसी भी प्लांट की शॉप से बीज आसानी से मिल जाएंगे, जिसे आप किसी गमले, कंटेनर या फिर प्लास्टिक की बोतल में मिट्टी की मदद से पौधा लगा सकती हैं। हालांकि, पौधे की ग्रोथ तभी होगी जब आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखेंगी जैसे- आप मिट्टी की नमी पर ध्यान दें, पौधे में नियमित रूप से पानी डालें।

कटिंग से उगाएं हरा धनिया

आप अपने किचन में भी हरा धनिया का पौधा लगा सकती हैं। इसके लिए, आपको बस धनिये के पत्ते की जरूरत होगी। हालांकि, इसके पौधे को सही तरीके से लगाने के लिए आपको मिट्टी सही तरीके से तैयार करनी होगी। साथ ही, आपको बाजार से गमला खरीदकर लाना होगा और इसमें मिट्टी और खाद की मदद से कटिंग लगानी होगी।

हरा धनिया की जड़ का करें इस्तेमाल

बहुत-सी महिलाएं हरा धनिये की जड़ को बेकार समझकर फेंक देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि आप इसकी जड़ की सहायता से फ्रेश हरा धनिया भी उगा सकती हैं। कहा जाता है कि जड़ से उगाया गया पौधा बीज से ज्यादा अच्छा होता है। साथ ही, इसकी ग्रोथ भी अच्छी होती हैं। इसके लिए बस आपको मिट्टी में जड़ को बोना है और नियमित तौर पर पानी डालना है।

धनिया उगाने का आसान तरीका

आवश्यक सामग्री- कंटेनर/गमला/ प्लास्टिक की बोतल, मिट्टी और खाद, कटिंग/बीज, पानी

विधि - पौधा लगाने के लिए सबसे पहले आपको गमले का चुनाव करना होगा। आप छोटा गमला सेलेक्ट कर सकती हैं। गमले का चुनाव करने के बाद आप इसमें मिट्टी डालें और अच्छी तरह से मिला लें। आप पौधे की मिट्टी तैयार करते समय 50% कोको-पीट और 50% वर्मीकम्पोस्ट का इस्तेमाल कर सकती हैं। मिट्टी तैयार करने के बाद आप इसमें पौधे की कटिंग, बीज को अच्छी तरह से लगा दें। कटिंग या बीज को लगाने के बाद आप पौधे में पानी डालें।

बस आपका पौधा पूरी तरह से तैयार है। आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखें और फ्रेश हरा धनिया आने का इंतजार करें।

कीस्टोन ने आईपीओ से 850 करोड़ जुटाने जमा कराए दस्तावेज

नई दिल्ली । रुस्तमजी समूह की कंपनी कीस्टोन रियल्टर्स ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए 850 करोड़ रुपए जुटाने के लिए बाजार नियामक प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास शुरुआती दस्तावेज जमा करवाए हैं। मसौदा दस्तावेजों के अनुसार आईपीओ के तहत 700 करोड़ रुपए तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे। कंपनी के प्रवर्तक 150 करोड़ रुपए तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाएंगे। ओएफएस में बोमन रुस्तम ईरानी, पर्सी सोराबजी चौधरी और चंद्रेश दिनेश मेहता द्वारा क्रमश- 75 करोड़ रुपए, 37.5 और 37.5 करोड़ रुपए के शेयरों की बिक्री शामिल है।

भारत में मछुआरों की सब्सिडी रोकने से उनके परिवार प्रभावित होंगे

जिनेवा । भारत में मछुआरों को मछली पकड़ने के लिए दी जाने वाली सरकारी सब्सिडी से उनके परिवारों पालन-पोषण होता है और डब्ल्यूटीओ समझौते के जरिए इसे रोकने से देश में लाखों मछुआरे और उनके परिवार गरीबी में चले जाएंगे। सूत्रों ने यह बात कही। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में विकसित देश प्रस्तावित मत्स्य पालन सब्सिडी समझौते के तहत सब्सिडी को खत्म करने पर जोर दे रहे हैं। इस समझौते पर यह बातचीत चल रही है। चीन, यूरोपीय संघ (ईयू) और अमेरिका जैसे देशों के विपरीत भारत एक बड़ा मत्स्य सब्सिडी प्रदाता नहीं है। इस मद में चीन 7.3 अरब अमेरिकी डॉलर, ईयू 3.8 अरब डॉलर और अमेरिका 3.4 अरब डॉलर की सब्सिडी देता है। दूसरी ओर भारत ने छोटे मछुआरों को 2018 में सिर्फ 27.7 करोड़ डॉलर दिए। सीएमएफआरआई (सेंट्रल मरीन फिशरीज रिसर्च इंस्टीट्यूट) की जनगणना 2016 के अनुसार देश में कुल समुद्री मछुआरों की आबादी 37.7 लाख है, जिसमें नौ लाख परिवार शामिल हैं। लगभग 67.3 प्रतिशत मछुआरे बीपीएल श्रेणी के अंतर्गत थे। एक सूत्र ने कहा कि भारत में मछुआरों को सब्सिडी सहायता बंद करने से लाखों मछुआरे और उनके परिवारों पर असर पड़ेगा और इससे गरीबी बढ़ेगी। भारत में समुद्र में मछली पकड़ने का काम छोटे पैमाने पर होता है और इससे लाखों लोगों को खाद्य सुरक्षा मिलती है। देश में औद्योगिक रूप से बड़े स्तर पर मछली नहीं पकड़ी जाती है।

चीन की टेनसेंट ने बिन्नी बंसल से फ्लिपकार्ट में हिस्सेदारी खरीदी

नई दिल्ली . चीन की प्रौद्योगिकी कंपनी टेनसेंट ने फ्लिपकार्ट के सह-संस्थापक बिन्नी बंसल से इस ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म में हिस्सेदारी खरीदी है। आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार टेनसेंट की यूरोपीय सब्सिडियरी के साथ यह सौदा 26.4 करोड़ डॉलर (लगभग 2,060 करोड़ रुपए) में हुआ है। फ्लिपकार्ट का मुख्यालय सिंगापुर में हैं और इसका परिचालन केवल भारत तक सीमित है। टेनसेंट क्लाउड यूरोप बीवी के साथ सौदे के बाद फ्लिपकार्ट में इसके सह-संस्थापक बिन्नी बंसल की हिस्सेदारी करीब 1.84 प्रतिशत रह गई है। यह सौदा 26 अक्टूबर, 2021 को पूरा हुआ था और इसकी जानकारी सरकारी अधिकारियों को चालू वित्त वर्ष की शुरुआत में दी गई। अब फ्लिपकार्ट में टेनसेंट की सब्सिडियरी की हिस्सेदारी 0.72 फीसदी हो गई है। जुलाई, 2021 तक फ्लिपकार्ट द्वारा सिंगापुर के सॉवरिन वेल्थ फंड जीआईसी, सॉफ्टबैंक विजन फंड 2 और वॉलमार्ट की अगुआई वाले फंडिंग राउंड में 3.6 अरब डॉलर जुटाने के बाद इसका मूल्यांकन बढ़कर 37.6 अरब डॉलर हो गया था। टेनसेंट और बिन्नी बंसल के बीच यह सौदा इसी फंडिंग राउंड के बाद हुआ था। खबरों के अनुसार यह सौदा सिंगापुर में हुआ था। फ्लिपकार्ट का कहना है कि वह एक जिम्मेदार कंपनी है।

दक्षिण अफ्रीका आईबीएफ से जुड़ने का इच्छुक: मंत्री

जोहानिसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के एक वरिष्ठ मंत्री ने देश के विकास में सहयोग देने के लिए कहा कि उनका देश द्विपक्षीय सहयोग को और बढ़ाने के लिए सीआईआई भारत व्यापार मंच (आईबीएफ) और संबंधित स्थानीय मंत्रालयों के साथ जुड़ने को तैयार है। दक्षिण अफ्रीका ने दोनों देशों के बीच पहले से मौजूद सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए आईबीएफ और संबंधित स्थानीय मंत्रालयों के बीच एक संयुक्त कार्य बल के गठन का प्रस्ताव रखा है। उच्च शिक्षा, विज्ञान और नवाचार मंत्री ब्लेड नजीमांडे ने आईबीएफ की वार्षिक आम बैठक में कहा` कि मुझे पहले ही संकेत देना चाहिए कि एक मंत्री के रूप में मैं और मेरे दोनों विभाग आपसी लाभ के लिए इस मंच के साथ जुड़ने को तैयार हैं। आईबीएफ दक्षिण अफ्रीका में संचालित 100 से अधिक भारतीय कंपनियों का एक संघ है। हम अपनी भविष्य की साझेदारी के विवरण पर काम करने के लिए एक संयुक्त कार्य बल के गठन का प्रस्ताव पेश करते हैं। आईबीएफ की बैठक ऐसे समय में हो रही है, जब दक्षिण अफ्रीकी सरकार और व्यवसायों को अर्थव्यवस्था को विकसित करने और रोजगार पैदा करने के लिए मजबूत साझेदारी को बढ़ावा देने की जरूरत है।

कोरोना से निपटने में डब्ल्यूटीओ ने नहीं दिखाई तत्परता: गोयल

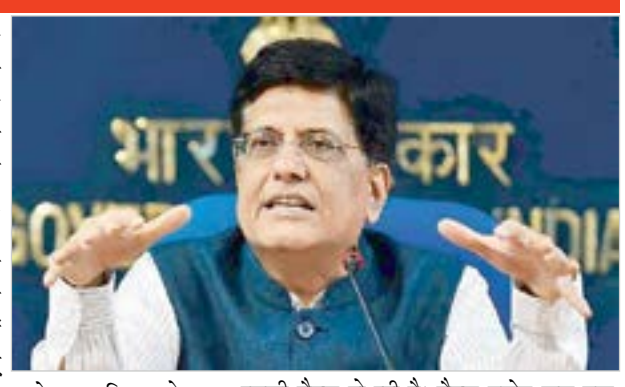

जिनेवा ।
केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि कोरोना महामारी से निपटने के लिए भारत ने विभिन्न देशों में चिकित्सा उत्पादों की अपूर्ति तेज कर दी, लेकिन विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) इस दिशा में तत्परता नहीं दिखा सका। गोयल ने कहा कि समय रहते प्रतिक्रया करने में असमर्थ रहने के कारण डब्ल्यूटीओ के सदस्य देशों को शर्म से सिर झुका लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूटीओ के सदस्य देशों ने कम विकसित देशों (एलडीसी) और विकासशील देशों के लोगों को नीचा दिखाया है। मेरे देश ने वैश्विक स्तर पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य संबंधी वस्तुओं को उपलब्ध कराने के लिए चिकित्सा उत्पादों की आपूर्ति में वृद्धि की। दुर्भाग्य से विश्व व्यापार संगठन तत्परता नहीं दिखा सका। डब्ल्यूटीओ ने एलडीसी और विकासशील देशों के लोगों को नीचा दिखाया है। अमीर देशों को आत्म मंथन करने की जरूरत है! डब्ल्यूटीओ के सदस्य देशों को महामारी के जवाब में प्रतिक्रिया करने में असमर्थता के लिए शर्म से सिर झुका लेना चाहिए। गोयल डब्ल्यूटीओ के 12वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी) में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। एमसी विश्व व्यापार संगठन का सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय है और चार साल से अधिक समय के अंतराल के बाद इसकी बैठक हो रही है। बैठक यूक्रेन-रूस युद्ध और वैश्विक खाद्य एवं ऊर्जा संकट की पृष्ठभूमि में हो रही है। गोयल ने कहा कि महामारी ने एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के महत्व को बल दिया है। उन्होंने वैश्विक एकजुटता और सामूहिक कार्रवाई का आह्वान किया।

एचटीसी बाजार में स्मार्टफोन उतारने को तैयार

नई दिल्ली । एचटीसी काफी दिनों के बाद कंपनी वीआर एक्सपीरियंस के साथ अपने नए स्मार्टफोन को बाजार में लॉन्च करने के लिए तैयार है। रिपोर्ट के अनुसार कंपनी वीआर और स्मार्टफोन को एक डिवाइस में पेश करेगी। इसे इस महीने ही लॉन्च किया जाएगा। एचटीसी अपने इस डिवाइस को 28 जून को लॉन्च करेगा। कंपनी का कहना है ये पहला मेटावर्स फोन होगा। ये कंपनी का अपना मेटावर्स कॉन्सेप्ट है। कंपनी ने अभी फोन के ऑफिशियल नाम के बारे में भी जानकारी नहीं दी है। पहले माना जा रहा था कि इसे इस साल अप्रैल में लॉन्च किया जाएगा लेकिन, सप्लाई चेन इश्यू की वजह से ताइवान-बेस्ड कंपनी को अपने प्लान में बदलाव करना पड़ा। अभी इस फोन को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। अभी ये भी साफ नहीं है कि ये कंपनी का फ्लैगशिप फोन होगा या इसमें स्पेशल कैमरे दिए जाएंगे।

सीसीआई के आदेश के खिलाफ अमेजन की याचिका खारिज

- ई-कॉमर्स कंपनी को 200 करोड़ रुपए जमा करने का निर्देश

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने सोमवार को अमेजन की याचिका खारिज कर दी, जिसमें सीसीआई के आदेश को चुनौती दी गई थी। सीसीआई ने अपने आदेश में फ्यूचर कूपन के साथ अमेजन के सौदे की मंजूरी को निलंबित कर दिया था। न्यायमूर्ति एम वेणुगोपाल और अशोक कुमार मिश्रा की दो सदस्यीय पीठ ने भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के फैसले को बरकरार रखा और अमेजन को निर्देश दिया कि वह सोमवार से 45 दिनों के भीतर निष्पक्ष व्यापार नियामक द्वारा ई-कॉमर्स कंपनी पर लगाए गए 200 करोड़ रुपए के जुर्माने को जमा करे। दो सदस्यीय पीठ ने कहा कि यह अपीलीय न्यायाधिकरण सीसीआई के साथ सहमत है। पिछले साल दिसंबर में सीसीआई ने फ्यूचर कूपन प्राइवेट लिमिटेड (एफसीपीएल) में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए अमेजन द्वारा किए गए सौदे के लिए 2019 में उसके द्वारा दी गई मंजूरी को निलंबित कर दिया था और साथ ही 202 करोड़ रुपए का जुर्माना भी लगाया था। अमेजन ने इसके खिलाफ एनसीएलएटी में अपील दायर की थी। फ्यूचर कूपंस लिमिटेड (एफसीपीएल) फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (एफआरएल) की प्रवर्तक है। अमेजन इस मामले को अक्टूबर, 2020 में सिंगापुर मध्यस्थता केंद्र में लेकर गई थी तब से दोनों कंपनियों के बीच कानूनी लड़ाई छिड़ गई है। अमेजन का कहना है कि एफआरएल ने रिलायंस समूह की कंपनी रिलायंस रिटेल के साथ 24,713 करोड़ रुपए का बिक्री करार कर 2019 में उसके साथ हुए निवेश समझौते का उल्लंघन किया है।

हफ्ते के पहले ही दिन शेयर बाजार धड़ाम, निवेशकों के 7 लाख करोड़ से ज्यादा डूबे

नई दिल्ली ।
सप्ताह के पहले दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट देखने को मिली। अमेरिकी बाजारों के बाद आज घरेलू बाजार भी धाराशायी हो गया। निफ्टी और सेंसेक्स 2 बजे तक लगभग 3 फीसदी से ज्यादा गिर चुके थे। बाजार की इस गिरावट में निवेशकों के 7 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा स्वाहा हो गए। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन बाजार में हर तरफ लाल ही लाल दिख रहा है। अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़ों के बाद, कुछ ग्लोबल एक्सपर्ट्स ने कहा है कि अब फेड 50 बीपीएस की रेट हाइक की बजाय 75 आधार अंकों तक की बढ़ोतरी करेगा। इस वजह से बाजार में गिरावट और हावी हो रही है। 15 जून की रात को फेड अध्यक्ष जेरोम पॉवेल की टिप्पणी इस सप्ताह के लिए सबसे महत्वपूर्ण होगी। मई में अमेरिकी इंफ्लेशन 40 साल के रिकॉर्ड हाई पर 8.6 फीसदी पहुंच गई है। यूएस ट्रेजरी यील्ड 3.19 फीसदी तक पहुंच गई है। ऐसी परिस्थितियों में माना जा रहा है कि फेड आक्रामक रेट हाइक करेगा। आज शाम को मई के कंज्यूमर प्राइस डाटा आएंगे। इसके पिछले महीने में 7.79 प्रतिशत के मुकाबले 7.1-7.3 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। इन कारकों से संकेत मिलता है कि सबसे खराब समय अभी भी खत्म नहीं हुआ है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज में इक्विटी स्ट्रेटजी के हेड प्रमुख हेमंग जानी ने कहा अमेरिका के मई मुद्रास्फीति के आंकड़ों के चार दशक के उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद दुनिया भर के इक्विटी बाजारों में बिकवाली देखी जा रही है। यूएस फेड द्वारा आक्रामक तरीके ब्याज दरों को बढ़ाने को लेकर डर का माहौल है। बाजार में 3 बजे के पहले निफ्टी 450 अंकों (2.85%) से ज्यादा की गिरावट के साथ 15750 के करीब पहुंच गया।

जबकि, सेंसेक्स 1500 अंकों (2.88%) से ज्यादा की गिरावट के साथ 52780 के आस-पास रहा है। बैंक निफ्टी में 1100 अंकों (3 फीसदी से ज्यादा) से ज्यादा की गिरावट दिख रही है।

मारुति ने पिछले आठ साल में 17.4 करोड़ लीटर तेल बचाया

- कंपनी ने रेलवे के जरिए 11 लाख कारें देश के विभिन्न हिस्सों में बेचने के लिए भेजी

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने पिछले आठ साल में 17.4 करोड़ लीटर तेल की बचत की है। इस दौरान मारुति ने रेलवे के जरिए 11 लाख कारें देश के विभिन्न हिस्सों में बिक्री के लिए भेजी हैं। इससे 4,800 टन कार्बन डाई ऑक्साइड के उत्सर्जन को कम करने में मदद मिली है। मारुति के इस कदम से ट्रकों के करीब 1,56,000 फेरे कम लगे हैं और 17.4 करोड़ लीटर ईंधन की बचत हुई है। वित्त वर्ष 2021-22 में मारुति ने रेलवे के जरिए रेकॉर्ड 2.33 लाख वाहनों को देश के विभिन्न हिस्सों में बिक्री के लिए भेजा। यह मारुति द्वारा रेलवे के जरिए भेजी कई अब तक की सबसे बड़ी खेप है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मारुति ने करीब आठ साल पहले अपने वाहनों को रेलवे के जरिये देश के विभिन्न हिस्सों में भेजना शुरू किया था। कंपनी ने 2020-21 में रेलवे के जरिए 1.89 लाख गाड़ियां देश के विभिन्न हिस्सों में भेजी थी। वित्त वर्ष 2021-22 में यह आंकड़ा 2.33 लाख पहुंच गया। इस तरह 2021-22 में कंपनी की रेलवे के जरिए ढुलाई में 23 प्रतिशत का इजाफा हुआ। इस तरह कंपनी ने पिछले आठ साल में रेलवे के जरिए अपनी 11 लाख कारों को डिस्पैच किया।

मारुति सुजुकी के कार्यकारी` निदेशक राहुल भारती ने कहा कि रेलवे के जरिए कारें भेजने से कार्बन उत्सर्जन कम करने में मदद मिलती ही है। साथ ही सड़क पर जाम से भी मुक्ति मिलती है। उन्होंने बताया कि साल 2014-15 में कंपनी ने रेलवे के जरिए 66,000 कारों को भेजा था। उन्होंने कहा कि कंपनी अपने गाड़ियों को को भेजने के लिए रेलवे का इस्तेमाल बढ़ाएगी। अभी कंपनी ने देश के विभिन्न हिस्सों में जो गाड़ियां भेजती है उनमें से 15 प्रतिशत की ढुलाई रेलवे के जरिए होती है। कंपनी के पास 41 रेलवे रैक हैं। इनमें प्रत्येक रैक की क्षमता 300 वाहनों की है। रेलवे से गाड़ियां भेजना सस्ता पड़ता है। साथ ही इससे दूरदराज के इलाकों में तेजी से कारों को भेजा जा सकता है। मारुति को 2013 में ऑटोमोबाइल फेट ट्रेन ऑपरेटर लाइसेंस मिला था। वह यह लाइसेंस हासिल करने वाली देश की पहले ऑटो कंपनी थी। इससे कंपनी को रेलवे के नेटवर्क पर हाई-स्पीड और हाई कैपेसिटी वाले ऑटो वैगन रैक्स को ऑपरेट करने की अनुमति मिली थी। अभी मारुति के पास छह लोडिंग टर्मिनल और 16 डेस्टिनेशन टर्मिनल हैं। अगरतला को 2019 और सिलचर को 2021 में डेस्टिनेशन टर्मिनल बनाया गया था। इससे पूर्वोतर राज्यों तक करीब आठ दिन में कारें पहुंच जाती है। रोड ट्रांसपोर्टेशन के जरिए इसमें करीब 16 दिन लगते हैं।

सोने और चांदी में गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोमवार को सोना 321 रुपये नीचे आकर 51,270 रुपये प्रति 10 ग्राम पर फिसल गया। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 51,591 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। दूसरी ओर चांदी का भाव भी 874 रुपये के नुकसान से 60,745 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गया जबकि पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 61,619 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना नुकसान के साथ ही 1,858 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी 21.54 डॉलर प्रति औंस पर बनी थी।

एएआई ने सरकार से 2021-22 के लिए वार्षिक लाभांश भुगतान की छूट मांगी

नई दिल्ली ।
भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने सरकार से अनुरोध किया है कि उसे वित्त वर्ष 2021-22 के लिए अनिवार्य लाभांश भुगतान की छूट दी जाए। प्राधिकरण ने एयर इंडिया का बकाया माफ करने के बदले यह छूट मांगी है। सार्वजनिक क्षेत्र की एएआई कोरोना वायरस महामारी के प्रकोप के चलते घाटे में चल रही है और उसे वित्त वर्ष 2021-22 में 800-900 करोड़ रुपए का नुकसान होने का अनुमान है। एएआई के अध्यक्ष संजीव कुमार ने कहा कि कंपनी ने अच्छा सुधार दर्शाया है और बीते वित्त वर्ष में उसका घाटा कम होने की उम्मीद है। कंपनी का वित्तीय परिणाम अगले महीने आ सकता है। कुमार ने बताया कि एएआई ने एयर इंडिया के लगभग 2,000 करोड़ रुपए के बकाए का निपटाया किया। समझौते के तहत कुल बकाया का 50 फीसदी माफ कर दिया गया। इस तरह एएआई को 1,000 करोड़ रुपए मिले। पिछले वित्त वर्ष में टाटा ने एयर इंडिया का अधिग्रहण किया गया था। उन्होंने बताया कि एएआई ने एयर इंडिया की बकाया राशि को माफ करने के बदले सरकार से हर साल भुगतान किए जाने वाले अनिवार्य लाभांश को माफ करने का अनुरोध किया है। दीपम (निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग) ने हमें प्रस्ताव के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। मौजूदा नियमों के तहत, एएआई को अपने निवल मूल्य का पांच प्रतिशत या अपने वार्षिक लाभ का 30 प्रतिशत, जो भी अधिक हो, वार्षिक लाभांश के रूप में देना होता है। चूंकि एएआई इस समय घाटे में है, इसलिए उसे पिछले वित्त वर्ष के निवल मूल्य के पांच प्रतिशत राशि का भुगतान करना होगा।

स्टार्टअप कंपनियों को 25 करोड़ डॉलर का ऋण देगा एचएसबीसी इंडिया

मुंबई ।
देश में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए विदेशी बैंक एचएसबीसी इंडिया ने 25 करोड़ डॉलर का ऋण देने की घोषणा की है। एचएसबीसी बैंक ने सोमवार को जारी बयान में यह जानकारी दी। बैंक ने हालांकि इस ऋण को वितरित करने के लिए कोई समयसीमा नहीं बताई है, लेकिन कहा कि यह ऋण उच्च वृद्धि वाले प्रौद्योगिकी क्षेत्र की स्टार्टअप कंपनियों को दिया जाएगा। बैंक ने कहा कि यह ऋण सुविधा उसकी वाणिज्यिक बैंकिंग इकाई द्वारा प्रबंधित की जाएगी। बैंक ने वर्ष 2021 के दौरान लघु और मझोली कंपनियों को एक अरब डॉलर का ऋण दिया है, जबकि 2018 में उसने 30 करोड़ डॉलर का कर्ज दिया था। एचएसबीसी बैंक के देश में वाणिज्यिक बैंकिंग प्रमुख रजत वर्मा ने कहा हम स्टार्टअप कंपनियों की विकास संबंधी महत्वाकांक्षाओं का समर्थन करने और अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए वित्त तक उनकी पहुंच की आवश्यकता को पहचानते हैं। यह क्षेत्र महत्वपूर्ण वृद्धि के लिए तैयार है और हम इसके विकास की गति का समर्थन करने के लिए तत्पर हैं।

एचडीएफसी बैंक ने फर्जी संदेश, ईमेल या कॉल्स को लेकर ग्राहकों को किया अलर्ट

मुंबई ।
एचडीएफसी बैंक ने फर्जी संदेश, ईमेल या कॉल्स को लेकर लोगों को अलर्ट किया है। बैंक ने लिखा है कि इसतरह के किसी लिंक पर क्लिक न करें जिसमें पैन कार्ड अपडेट करने के लिए कहा जा रहा है। इसके अलावा बैंक ने कहा है कि ग्राहक अपनी गोपनीय जानकारी कभी एसएमएस पर साझा न करें। गौरतलब है कि आजकल पैन कार्ड अपडेट करने को लेकर कई तरह के फर्जी संदेश लोगों को मिल रहे हैं। बैंक ने संदेश को पहचानने का तरीका भी बताया है। कई बार लोगों इसतरह के फर्जी संदेश के जाल में फंसकर अपना नुकसान कर बैठते हैं। बैंक ने एक फर्जी मैसेज की पहचान के लिए तस्वीर जारी कर बताया है कि सबसे पहले यह देखें कि मैसेज किस नंबर से प्राप्त हुआ है। उनका कहना है कि बैंक केवल आधिकारिक नंबर से मैसेज भेजते हैं, जो हर बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध होते हैं। एचडीएफसी के मामले में यह नंबर 186161 है। इसके अलावा अगर बैंक आपको लिंक भेज भी रहा है, तब उसका डोमेन एचडीएफसीबीके डॉट आईओ यानी आधिकारिक डोमेन होगा। साथ ही बैंक ने कहा है कि वह कभी भी ग्राहक से मैसेज में उसकी गोपनीय जानकारी नहीं मांगता है। मसलन, पैन कार्ड से जुड़ी कोई जानकारी।

आपको अनजान नंबर से आने वाली कॉल को लेकर भी अलर्ट रहना चाहिए। बैंक ने कहा है कि अनजान नंबर से कॉल कर अगर कोई आपकी बैंकिंग डिटेल मांग रहा हैं, तब इन कॉल से सतर्क रहे। इन नंबर्स की सूचना तुरंत बैंक को दें या साइबर फॉड की शिकायत दर्ज कराएं। इसके लिए आप नेशनल क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर जा सकते हैं। आरबीआई ने इसतरह के फर्जी एसएमएस और कॉल्स की पहचान के लिए एक बुकलेट जारी की है।

डब्ल्यूटीओ में निष्पक्ष और संतुलित परिणाम पाने जी-33 सदस्य के साथ मिलकर काम करें: गोयल

- भारत ने सार्वजनिक भंडारण और विशेष सुरक्षा उपाय के लिए स्थायी समाधान तलाशने पर भी बल दिया

जिनेवा ।

भारत ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की बैठक में निष्पक्ष, संतुलित और विकास-केंद्रित नतीजा पाने के लिए विकासशील देशों के समूह जी-33 से मिलकर काम करने और समान विचारधारा वाले अन्य देशों तक पहुंचने का आह्वान किया। भारत ने सार्वजनिक भंडारण और विशेष सुरक्षा उपाय के लिए स्थायी समाधान तलाशने पर भी बल दिया। डब्ल्यूटीओ के मंत्री-स्तरीय सम्मेलन में शिरकत करने यहां पहुंचे वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि जी-33 विकसित देशों द्वारा अपने किसानों को दी जाने वाली भारी सब्सिडी के कारण कीमतों में गिरावट आने और आयात बढ़ने जैसे मसले को लंबे समय से उठाता रहा है। विकासशील देश चाहते हैं कि इस प्रवृत्ति के अस्थिरकारी दुष्प्रभावों से निपटने के लिए एक कारगर विशेष रक्षोपाय व्यवस्था (एसएसएम) बनाई जाए। गोयल ने कहा कि हम सभी को इस समूह की एकता बनाए रखने और मजबूत करने के लिए सामूहिक रूप से काम करना चाहिए। यह समूह समान विचारधारा वाले देशों तक पहुंचकर निष्पक्ष, संतुलित और विकास-केंद्रित परिणाम के लिए उनके समर्थन को सुनिश्चित करे। इसमें सार्वजनिक भंडारण और एसएसएम का स्थायी समाधान भी शामिल होना चाहिए।

गोयल ने 12वें मंत्री-स्तरीय सम्मेलन से इतर जी-33 मंत्रिस्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए विकासशील देशों से मिलकर काम करने की अपील की। भारत एसएसएम के लिए जोर दे रहा है, जिसका उद्देश्य गरीब और सीमांत किसानों को आयात में किसी भी उछाल या कीमतों में भारी गिरावट से बचाना है। केंद्रीय मंत्री ने डब्ल्यूटीओ के कृषि संबंधी समझौते पर कहा कि आज दुनिया के विभिन्न हिस्सों में घटित हो रही घटनाओं से स्पष्ट है कि इसके नियम विकसित देशों के पक्ष में और विकासशील देशों के खिलाफ हैं। गोयल ने कहा कि कृषि सुधार के पहले चरण के रूप में एक नियम-आधारित निष्पक्ष और न्यायसंगत व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए ऐतिहासिक विषमताओं और असंतुलनों को ठीक करना जरूरी है। जी33 समूह में 47 विकासशील और अल्प-विकसित देश शामिल हैं।

भारत वनडे रैंकिंग में पांचवे स्थान पर फिसला, पाकिस्तान ने बनाई बढ़त

दुबई (एजेंसी)।

आईसीसी की एकदिवसीय रैंकिंग में भारतीय क्रिकेट टीम गिरकर पांचवे स्थान पर आ गई है। आईसीसी की नवीनतम रैंकिंग के अनुसार पाकिस्तान ने वेस्ट इंडीज को एकदिवसीय श्रंखला में 3-0 से हराकर भारत पर बढ़त हासिल कर ली है।

इस सीरीज से पहले पाकिस्तान 102 की रेटिंग के साथ एकदिवसीय रैंकिंग में पांचवें स्थान पर थी, लेकिन कैरिबियाई टीम को क्लीन स्वीप कर बाबर आजम की टीम 106 रेटिंग के साथ चौथे स्थान पर आ गई है। 105 रेटिंग वाली भारतीय टीम पांचवे स्थान पर खिसक गई है।

अगस्त में होने वाली पाकिस्तान की अगली एकदिवसीय श्रंखला से पहले भारत को इंग्लैंड और वेस्ट इंडीज के खिलाफ तीन-तीन मुकाबले खेलने हैं, जिनमें जीतकर भारत पाकिस्तान से आगे निकल सकता है। दूसरी ओर, न्यूजीलैंड 125 रेटिंग के साथ रैंकिंग में पहले स्थान पर रही जबकि इंग्लैंड (124) ने दूसरा और ऑस्ट्रेलिया(107) ने तीसरा स्थान हासिल किया।

शादाब के शानदार प्रदर्शन से पाक ने तीसरे एकदिवसीय के साथ ही सीरीज भी जीती

लाहौर (एजेंसी)।

ऑलराउंडर शादाब खान के शानदार प्रदर्शन से मेजबान पाकिस्तान ने तीसरे एकदिवसीय में भी वेस्टइंडीज को हराकर 3-0 से सीरीज जीती है। इस मैच में तेज आंधी के कारण खेल में बाधा आई जिसके कारण मैच के ओवरों को घटकर इसे 48-48 ओवर कर दिया गया था। इस मैच में शादाब के 86 रनों की सहायता से पाक टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 269 रन बनाए। शादाब के अलावा सलामी बल्लेबाज इमाम उल हक ने 62 रन बनाये।

वेस्टइंडीज की ओर से निकोलस पूरन ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 37.2 ओवर में 216 रनों पर ही आउट हो गयी। मेहमान टीम की ओर से अकील हुसैन ने सबसे ज्यादा 60 रन और केसी कार्टी ने 33 रन बनाये जबकि बल्लेबाज शाई होप और कीमो पॉल ने 21-21 रन बनाए जबकि कप्तान निकलोस पूरन 11 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। वहीं पाक की ओर से शादाब ने बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजी में कमाल करते हुए कुल 4 विकेट लिए।

इस मैच में पाक की शुरुआत अच्छी रही और सलामी बल्लेबाज इमाम उल हक और फखर जमां ने पहले विकेट के लिए 85 रन बनाये। पाक ने एक समय 117 रनों पर ही अपने 5 विकेट खो दिये। इसके बाद शादाब ने खुशदिल शाह के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। दोनों बल्लेबाजों ने छठे विकेट के लिए 84 रन बनाये।

भारत के लिये करो या मरो मुकाबले में स्पिनरों, रुतुराज पर होगा दबाव

तीसरे टी20 में भारतीय टीम को हर हाल में दर्ज करनी होगी जीत

विशाखापट्टनम। (एजेंसी)।

पहले दोनों मैच गंवाने के बाद अब करो या मरो की स्थिति में पहुंची भारतीय टीम मंगलवार को यहां जब तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में श्रृंखला जीवंत रखने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगी तो खराब फॉर्म में चल रहे स्पिनरों, सलामी बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ और स्वयं रन बनाने के लिये जूझ रहे कप्तान ऋषभ पंत पर काफी दबाव होगा। भारत लगातार 12 मैच जीतकर इस श्रृंखला में उतरा था लेकिन दक्षिण अफ्रीका की मजबूत टीम के सामने पहले दो मैचों में उसकी एक नहीं चली। पंत की अगुवाई वाली टीम कई विभागों में संघर्ष कर रही है और उसे एक दिन के अंदर इन कमजोरियों को दूर करना होगा। यदि पहले मैच में भारत खराब गेंदबाजी के कारण हारा तो दूसरे मैच में बल्लेबाजों ने निराश किया।

भारतीय सलामी बल्लेबाज अभी तक पावरप्ले में अच्छी शुरुआत देने में नाकाम रहे हैं। ईशान किशन ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन रुतुराज केवल 23 और एक रन बना पाये हैं। तेज गेंदबाजों के सामने उनकी तकनीक पर सवाल भी उठने लगे हैं। श्रेयस अय्यर ने अच्छी शुरुआत की है लेकिन वह अपेक्षित तेजी से रन नहीं बना पाये हैं जिससे आगे के बल्लेबाजों पर दबाव बन रहा है। हार्दिक पंड्या ने पहले मैच में कुछ दर्शनीय शॉट लगाये थे लेकिन कटक के विकेट पर वह भी नहीं चल पाये थे। वह गेंदबाजी में भी नाकाम रहे हैं। केएल राहुल के चोटिल होने के कारण कप्तानी का जिम्मा संभालने वाले पंत अब तक 29 और पांच रन बना पाये हैं। उन्होंने 45 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 23.9 के औसत और 126.6 के स्ट्राइक रेट से केवल तीन अर्धशतक बनाये हैं जो उनकी प्रतिभा के अनुरूप नहीं है।

कप्तान के रूप में पंत के फैसलों पर भी सवाल उठ रहे हैं। दूसरे मैच में अक्षर पटेल को दिनेश कार्तिक से पहले भेजने का निर्णय गलत साबित हुआ था। उनसे एक कप्तान और एक खिलाड़ी के रूप में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। गेंदबाजी में युजवेंद्र चहल और अक्षर की स्पिन जोड़ी ने अब तक निराश किया है। डेविड मिलर, रासी वान डेर डुसेन और हेनरिक क्लासेन जैसे बल्लेबाजों ने उनके खिलाफ आसानी से रन बनाये हैं। तीसरे मैच में इनमें से किसी एक को बाहर किया जा सकता है। टीम प्रबंधन युवा लेग स्पिनर रवि बिश्नोई या ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर को ले सकता है। वेंकटेश आईपीएल में पारी का आगाज भी करते रहे हैं। भुवनेश्वर कुमार को छोड़कर भारतीय गेंदबाज विकेट लेने में असफल रहे हैं। भारतीय गेंदबाज एक या दो ओवरों में रन लुटाकर पहले की गयी मेहनत पर पानी फेर दे रहे हैं। अब जबकि श्रृंखला दांव पर लगी है तब उन्हें हर हाल में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

भारतीय टीम प्रबंधन ऐसे में अब तक एक भी विकेट नहीं लेने वाले आवेश खान की जगह तेज गेंदबाज उमरान मलिक या अर्शदीप सिंह को पदार्पण का मौका दे सकता है। दूसरी तरफ दक्षिण अफ्रीका हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। उसके गेंदबाज विकेट निकाल रहे हैं और बल्लेबाज साझेदारियां निभा रहे हैं। पहले मैच में मिलर और वान डेर डुसेन ने कमाल दिखाया तो दूसरे मैच में क्लासेन ने 81 रन की प्रवाहमय पारी खेली। गेंदबाजी में कैगिसो रबाडा, एनरिक नोर्किया और वायने पर्नेल अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

16 साल के भारोत्तोलक गुरुनायडू सनापति ने रचा इतिहास, बने विश्व युवा चैंपियन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

गुरुनायडू सनापति मैक्सिको के लियोन में चल रही आईडब्ल्यूएफ (अंतरराष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ) विश्व युवा चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय भारोत्तोलक बन गए हैं। इस 16 वर्षीय भारोत्तोलक ने रविवार देर रात 55 किग्रा भार वर्ग में 230 किग्रा (104 किग्रा और 126 किग्रा) के कुल प्रयास के साथ सोने का तमगा जीता।

एशियाई युवा भारोत्तोलन चैंपियनशिप 2020 के कांस्य पदक विजेता सनापति शीर्ष पर रहे। सऊदी अरब के अली मजीद 229 किग्रा (105 किग्रा और 124 किग्रा) दूसरे तथा कजाकिस्तान के येरासिल उमरोव 224 किग्रा (100 किग्रा और 124 किग्रा) तीसरे स्थान पर रहे। सनापति के अलावा भारत की सौम्या एस दलवी ने प्रतियोगिता के दूसरे दिन अपनी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता।

महाराष्ट्र की दलवी ने लड़कियों के 45 किग्रा में 148 किग्रा (65 किग्रा और 83 किग्रा) भार उठाकर फिलीपींस की रोज ए रामोस - 155 किग्रा (70 किग्रा और 85 किग्रा) तथा वेनेजुएला की केर्लिस एम मोंटिला - 153 किग्रा (71 किग्रा और 82 किग्रा) के बाद तीसरा स्थान हासिल किया। इस स्पर्धा में भाग लेने वाली एक अन्य भारतीय खिलाड़ी आर भवानी 132 किग्रा (57 किग्रा और 75 किग्रा) के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ आठवें स्थान पर रही। भारत इस प्रतियोगिता में अब तक चार पदक जीत चुका है। प्रतियोगिता के पहले दिन आकांक्षा किशोर व्यावरे और विजय प्रजापति ने अपनी स्पर्धाओं में रजत पदक जीते थे।

ऋषभ ने हार के लिए गेंदबाजों को जिम्मेदार बताया

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान ऋषभ पंत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 क्रिकेट मुकाबले में मिली हार के लिए गेंदबाजों को जिम्मेदार बताया है। भारतीय टीम इस सीरीज के पहले दो मैच हारने के कारण 2-0 से पीछे हो गयी है। ऋषभ ने हार के बाद कहा कि उनकी टीम ने बल्लेबाजी में 10-15 रन कम बनाये हैं। .कप्तान ने कहा, 'हम 10-15 रन कम बना पाए। भुवनेश्वर कुमार और तेज गेंदबाजों ने पहले 7 से 8 ओवर में अच्छी गेंदबाजी की थी पर इसके बाद गेंदबाजी प्रभावी नहीं रही जबकि इन ओवरों में हमें विकेट मिलने चाहिये थे।' साथ ही कहा, ' क्लासेन और बावुमा ने अच्छी बल्लेबाजी की जबकि हम पहले ओवरों की तरह ही बेहतर गेंदबाजी कर सकते थे, उम्मीद है कि हम अगले मैच में सुधार करेंगे। हमें अब बचे हुए तीनों मैच जीतने पड़ेंगे।'

रणजी सेमीफाइन में मुंबई और उत्तर प्रदेश में आज होगा मुकाबला

बेंगलुरु । रणजी ट्रॉफी में मंगलवार को मुंबई और उत्तर प्रदेश के बीच सेमीफाइनल मुकाबला होगा। इस मैच में मुंबई को जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है हालांकि उत्तर प्रदेश की टीम भी इस बार उसे अच्छी टक्कर देगी। आईपीएल में अच्छी गेंदबाजी करने वाले मोहसिन खान की वापसी से उत्तर प्रदेश टीम की ताकत बढ़ी है। मुंबई ने क्वार्टर फाइनल में उत्तराखंड को 725 रन से जबकि उत्तर प्रदेश ने कर्नाटक की मजबूत टीम को 5 विकेट से हराया था। वहीं एक अन्य सेमीफाइनल में मप्र और बंगाल का मुकाबला होगा।

मुंबई की बल्लेबाज कप्तान और सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ पर टिकी होंगी। पिछले मैच में शतक लगाने वाले युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और सरफराज खान से भी उसे बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी। सरफराज अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं और उत्तर प्रदेश के गेंदबाजों के सामने उन्हें रोकने की कड़ी चुनौती होगी। विकेटकीपर आदित्य तारे के चोटिल होने से हालांकि मुंबई को अंतिम एकादश में बदलाव करना पड़ेगा.

मोहसिन के अलावा यश दयाल, अंकित राजपूत और स्पिनर सौरभ कुमार हालांकि मुंबई को कम स्कोर पर रोकना चाहेंगे। सौरभ ने क्वार्टर फाइनल में 7 विकेट लिए थे और कप्तान कर्ण शर्मा उनसे एक बार फिर ऐसे ही प्रदर्शन की उम्मीद करेंगे। मुंबई की टीम हालांकि गेंदबाजी में ज्यादा बदलाव नहीं करना चाहेगी।उत्तर प्रदेश को लगातार अच्छी बल्लेबाजी कर रहे प्रियम गर्ग और रिंकू सिंह से काफी उम्मीदें होंगी इसके अलावा उसके पास आर्यन जुयाल, समर्थ सिंह, ध्रुव जुरेल जैसे अच्छे खिलाड़ी भी हैं, ऐसे में कोई भी टीम मैच जीत सकती है।

भुवनेश्नर टी-20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज बने

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्नर कुमार ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 क्रिकेट मुकाबले में शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवरों में 13 रन देकर 4 विकेट लिए। भुवनेश्वर ने पावरप्ले में शानदार गेंदबाजी की और मेहमान दक्षिण अफ्रीकी टीम के बल्लेबाजों पर दबाव बनाये रखा। भुवनेश्वर ने 4 ओवर में 13 रन देकर 4 विकेट लिए। अब भुवनेश्नर टी-20 इंटरनेशनल के पॉवर प्ले में भारत की ओर से तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। भूवी ने साल 2012 में पाकिस्तान के खिलाफ डेब्यू करने के बाद ही पावरप्ले में तीन विकेट लिए थे।

टी20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में न्यूजीलैंड के टिम साउदी और श्रीलंका के नुवान कुलासेकरा पहले ओर दूसरे नंबर पर हैं। इन दोनो के नाम क्रमशः 42 और 34 विकेट हैं। वहीं भुवनेश्वर के पावरप्ले में कुल 33 विकेट हैं। इसके अलावा टी-20 मैचों में पहले ओवर में सबसे ज्यादा विकेट लाने वाले गेंदबाजों की सूची में भी भुवनेश्वर दूसरे नंबर पर आ गए हैं। उनसे आगे पाकिस्तान के सोहेल तनवीर हैं। उनके नाम कुल 36 विकेट हैं। वहीं भुवनेश्वर के नाम 31 विकेट हैं। तीसरे और चौथे नंबर पर मोहम्मद आमिर और डेविड विली हैं जिनके नाम 30-30 विकेट हैं।

वहीं टी-20 मैचों में भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने सबसे ज्यादा 26 बल्लेबाजों को बोल्ड किया है। इस सूची में भुवी अब दूसरे नंबर पर आ गए हैं. उन्होंने कुल 18 बल्लेबाजों को बोल्ड किया है। युजवेंद्र चहल ने 15 खिलाड़ियों को बोल्ड किया है।

हेंड्रिक्स के दो गोल से बेल्जियम ने भारत को 3-2 से हराया, तीसरे स्थान पर इंडिया

एंटवर्प (एजेंसी)।

एलेक्जेंडर हेंड्रिक्स के दो गोल की मदद से बेल्जियम की पुरुष टीम ने दो चरणों वाले एफआईएच प्रो लीग हॉकी टूर्नामेंट के दूसरे चरण के मैच में भारत पर 3-2 से रोमांचक जीत दर्ज की। हेंड्रिक्स (49वें, 59वें) ने चौथे क्वार्टर में दो गोल किए और इससे पहले निकोलस डी केर्पेल ने 33वें मिनट में अपनी टीम के लिए पहला गोल किया था। ओलंपिक चैंपियन टीम को पहले चरण के मैच में पेनल्टी शूटआउट में 4-5 से हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में टीम मध्यांतर तक 0-1 से पिछड़ रही, लेकिन उसने वापसी कर शानदार जीत दर्ज की। भारत के लिए अभिषेक (25वें मिनट) ने मैच का पहला गोल किया, जबकि मनदीप सिंह (60वें मिनट) ने हूटर से कुछ ही क्षण पहले एक और गोल किया। इस जीत के साथ विश्व चैंपियन बेल्जियम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया, जबकि भारत तीसरे स्थान है।

भारतीय टीम अब अगले सप्ताह नीदरलैंड का सामना करेगी। बेल्जियम ने गेंद पर बेहतर नियंत्रण के साथ खेल शुरू किया और जल्द ही मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर भी अर्जित कर लिया। दिग्गज गोलकीपर श्रीजेश ने अपने पैर से इसका शानदार बचाव किया। भारत के पास पांचवें मिनट में बढ़त हासिल करने मौका था। दायीं ओर से जरमनप्रीत के क्रॉस को सुखजीत ने गोल पोस्ट के ऊपर से खेल दिया। पहले क्वार्टर के अंतिम पलों में जुगराज मैदान के मध्य हिस्से से शानदार मौका बनाया, लेकिन बेल्जियम की रक्षा पंक्ति ने बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए बचाव किया। जरमनप्रीत ने दूसरे क्वार्टर में पांच मिनट के खेल के बाद पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन हरमनप्रीत के शॉट को गोलकीपर वी वनश ने शानदार तरीके से बचा लिया। मैच के 25वें मिनट में गुरजंत असैर विवेक सागर प्रसाद के शानदार संयोजन से बनाये मौके पर अभिषेक ने मैदानी गोल कर भारत को बढ़त दिला दी। बेल्जियम ने बराबरी की तलाश में मजबूत वापसी की, लेकिन श्रीजेश के शानदार बचाव के कारण मध्यांतर तक भारतीय टीम 1-0 से आगे रही। दूसरे हाफकी शुरुआत में भारतीय रक्षा पंक्ति के बिखराव का बेल्जियम ने शानदार तरीके से फायदा उठाया।

इंडोनेशिया ओपन आज से , लक्ष्य और सिंधु पर रहेंगी नजरें

जकार्ता । इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट मंगलवार से शुरु हो रहा है। इसमें भारत को महिला वर्ग में ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और पुरुष वर्ग में युवा खिलाड़ी लक्ष्य सेन से जीत की उम्मीदें रहेंगी। पिछले कुछ समय में इन दोनो का प्रदर्शन अच्छा रहा है। इंडोनेशिया ओपन में सिंधु का पहला मुकाबला चीन की ही बिंग जिओ से होगा। सिंधु अगर शुरुआती दो दौर में जीत हासिल कर लेती हैं तो इसके बाद उसका सामना तीसरी वरीयता प्राप्त एन से यंग से होगा।

विश्व के शीर्ष 32 खिलाड़ी ही इस बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर प्रतियोगिता में शामिल होंगे। इसमें तीन बार की पूर्व विश्व चैंपियन विजेता कैरोलिना भी इस टूर्नामेंट में खेलेंगी। वह फिट नहीं होने के कारण पिछले काफी समय से खेल से दूर थीं। भारत की अनुभवी खिलाड़ी साइना नेहवाल मलेशिया ओपन की तैयारी के कारण इस टूर्नामेंट से बाहर हैं।

वहीं पुरुष एकल के पहले दौर में लक्ष्य का हमवतन एचएस प्रणय से मुकाबला होगा। लक्ष्य पिछले कुछ महीनों से अच्छी लय में थे हालांकि उन्हें अपने प्रदर्शन में निरंतरत लानी होगी। वहीं विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता किदांबी श्रीकांत का सामना पहले मैच में चीनी ताइपे के वांग त्जु वेई से होगा। इसके अलावा बी साई प्रणीत और डेनमार्क के हैंस क्रिस्टियन सोलबर्ग विटिंगस के बीच भी टक्कर होगी। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी कोरिया के चोई सोल ग्यू और किम वोन हो के खिलाफ अपने अपना शुरुआती मैच खेलेगे। वहीं पुरुष युगल में मनु अत्री और बी सुमीत रेड्डी, एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिल तथा कृष्ण प्रसाद गरगा और विष्णुवर्धन गौड़ पंजाला भी अपनी चुनौती पेश करेंगे। मिश्रित युगल में अश्विनी और सुमीत तथा ईशान भटनागर और तनीषा क्रास्टो उतरेंगे। वहीं महिला युगल में अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी, त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद तथा अश्विनी भट और शिखा गौतम से उम्मीदें रहेंगी

चोटिल हुई मैरीकॉम, राष्ट्रमंडल खेलों के चयन ट्रायल से हटीं

नई दिल्ली। अनुभवी भारतीय मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम को घुटने में चोट लगने के बाद शुक्रवार को राष्ट्रमंडल खेलों के 48 किग्रा के ट्रायल के बीच में ही हटने के लिए मजबूर होना पड़ा। छह बार की विश्व चैंपियन 48 किग्रा सेमीफाइनल के पहले राउंड में अपना बांया घुटना मुड़ा बैठीं। इससे वह राष्ट्रमंडल खेलों में नहीं खेल पायेंगी जिसमें वह पिछले 2018 चरण में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला मुक्केबाज बनी थीं। उनके हटने से हरियाणा की नीतू ने यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में राष्ट्रमंडल खेलों के ट्रायल के फाइनल में प्रवेश किया। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने एक बयान में कहा, 'छह बार की विश्व चैम्पियन मैरीकॉम शुक्रवार को लगी चोट के कारण 2022 राष्ट्रमंडल खेलां के लिये चल रहे महिला मुक्केबाजी ट्रायल्स से हट गई हैं।' लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता मैरीकॉम को बाउट के पहले ही दौर में रिंग में गिर गई। 39 साल की इस खिलाड़ी ने उठ कर प्रतिस्पर्धा करने की कोशिश की लेकिन एक दो मुक्का लगने के बाद उनका संतुलन बिगड़ गया और वह बायां पैर पकड़ कर बैठ गई। उन्हें इसके बाद रिंग से बाहर जाना पड़ा और रेफरी ने नीतू को विजेता घोषित कर दिया। इस साल अपने पदार्पण में प्रतिष्ठित स्ट्रैंड्जा मेमोरियल टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीतने वाली नीतू का सामना अब राष्ट्रमंडल खेलों की टीम में जगह बनाने के लिये मंजू रानी से होगा।

दो अलग-अलग कंपनियों ने 5 साल के लिए खरीदे आईपीएल के मीडिया राइट्स ! 44,075 करोड़ रुपए में हुई नीलामी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मीडिया राइट्स हासिल करने के लिए कंपनियों के बीच जमकर मुकाबला हुआ। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, आईपीएल के टीवी और डिजिटल राइट्स को दो अलग-अलग कंपनियों ने हासिल कर लिया है। साल 2023-2027 के लिए आईपीएल के मीडिया राइट्स 44,075 करोड़ रुपए में बिके हैं।

सूत्रों से हवाले से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, 2023-2027 के लिए आईपीएल के मीडिया राइट्स (टीवी और डिजिटल) 44,075 करोड़ रुपए में बिके हैं। दो अलग-अलग प्रसारकों ने नीलामी जीती है। सूत्रों ने बताया कि टीवी के मीडिया राइट्स 57.5 करोड़ रुपए प्रति मैच और डिजिटल के राइट्स 50 करोड़ रुपए प्रति मैच के हिसाब से बिके हैं। आपको बता दें कि आईपीएल के मीडिया राइट्स के लिए 12 कंपनियों ने टेंडर फॉर्म खरीदे थे। लेकिन रिलायंस, स्टार और सोनी के बीच कड़ा मुकाबले देखने को मिला। हालांकि अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है कि जिन दो कंपनियों ने मीडिया राइट्स हासिल किए हैं, उनके नाम क्या-क्या हैं। माना जा रहा है कि सोमवार की देर शाम या फिर मंगलवार तक सारी जानकारियां सामने आ जाएंगी। सूत्रों ने बताया कि अगले पांच साल के लिए सोनी ने टीवी के मीडिया राइट्स पर सबसे ज्यादा बोली लगाई है। जबकि डिजिटल राइट्स के लिए जियो ने लंबा दांव लगाया है।

दूसरी सबसे महंगी लीग है आईपीएल

भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) को आईपीएल के एक मैच के बदले में 105 करोड़ रुपए से ज्यादा पैसा मिल सकता है। ऐसे में आईपीएल दुनिया की दूसरी सबसे महंगी लीग बन गई है। आपको बता दें कि पहले नंबर पर अमेरिका की नेशनल फुटबॉल लीग (एनएफएल) है। जिसके हर मुकाबले के राइट्स के लिए 133 करोड़ रुपए बोर्ड को मिलते हैं।

પ.પૂ. ગુરૂદેવાય નમઃ

SHREE GURUKRUPA VIDHYA SANKUL

SHREE GURUKRUPA VIDHYA SANKUL

AVAIL SCHOLARSHIP & BENEFITS

HURRY UP!!

ADMISSIONS OPEN 2022-23

Play Group to Std 12 - Science, Commerce and Humanities

GSEB / CBSE

Now choose as per your convenience **FULL DAY & HALF DAY**

ON 10TH STD. BOARD RESULT (GSEB) STUDENTS WITH A1 GRADE WILL

GET 100 % SCHOLARSHIP

STUDENTS WITH 85% WILL GET 50% SCHOLARSHIP

STUDENTS WITH 80% WILL GET 25% SCHOLARSHIP ON EDUCATION FEES

Last Date:15.06.2022, For first 100 students

Our students who score more than 80% in Board Exams are eligible for gifts like:

90% up ➡ Mopade
85% up ➡ Laptop
80% up ➡ Computer

prepare yourself for NEET and JEE with expert faculty

AIM FOR NEET/IIT SGVS

we are endorsed by the expert faculty of

CAREER POINT version 2.0
JEE Advanced I JEE Main I NEET
NEET I JEE I 6th to 10th NTSE I Olympiads

KOTA'S BEST FACULTY TEAM COACHING SYSTEM PERSONAL CARE

Unbeatable Features

-Campus with CCTV Surveillance System
-Well Equipped Science Laboratories
-Advanced Auditorium
-Robotics and STEM Lab
-Atal Lab, Geography Lab, Maths Lab
-Art and Music Rooms, SGVS Studio
-Park for kindergarten
-NCC Academic training for students
-Parents/students counselling
-GUJCET, JEE/NEET preparation
-Indoor and Outdoor activities
-SGVS School app
-Well Furnished Library

Education

Laboratories

Infrastructure

Overall Growth

SHREE GURUKRUPA VIDHYA SANKUL

TOLL FREE NO: 079-69071111

Help line CBSE: 88100 11111
GSEB: 9737871111

Our Branches @ **Udhnagam, Udhna, Varachha, Kadodara, Sayan**

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)